हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 04 अंक–120 : जौनपुर, मंगलवार 28 जून 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

देश का पहला ट्रांजिट हब बनेगा जेवर : पेरिस के ज्यूरिख एयरपोर्ट की तरह मिलेंगी सुविधाएं

लखनऊ ब्यूरो : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर देश का पहला ट्रांजिट हब बनेगा। इसके रनवे का काम शुरू हो चुका है। इस परियोजना से प्रदेश में रोजगार और व्यापार के अवसर बढ़ेंगे। वहीं एशिया पैसेफिक ट्रांजिट हब विकसित करने की योजना भी बनाई जा रही है। देश में अभी किसी एयरलाइंस का ट्रांजिट हब नहीं है। निवाल ने यह सुझाव विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) को दिया है। जेवर एयरपोर्ट में एशिया पैसेफिक ट्रांजिट हब विकसित करने की योजना है। इसके लिए किसी बड़ी एयरलाइंस से समझौता होता है। समझौता करने वाली एयरलाइंस अन्य एयरलाइंस को अपने साथ जोड़ती है। हब बनने के बाद उसकी सभी फ्लाइट यहां से होकर गुजरेंगी। ट्रांजिट हब बनने से एयरपोर्ट में फ्लाइट का आना–जाना अधिक होगा। जब फ्लाइट अधिक आएंगी तो रोजगार के अवसर बनेंगे। व्यापार भी बढ़ेगा। इसलिए यह हब बनने से अनेक फायदे मिलेंगे। यात्री सुविधाएं, सामान प्रबंधन, इम्मिग्रेशन आदि पर जोर दिया जाएगा एयरपोर्ट में

लाउंज से सीधे विमान तक पहुंचने की सुविधा मिल सकती है। पेरिस के ज्यूरिख एयरपोर्ट की तरह मिलेंगी सुविधाएं यहां पर यात्रियों के सामान को रखने पहुंचाने में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा। इसके लिए मल्टी लेयर लगेज पार्किंग बनेगी। यहां पर अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। जेवर एयरपोर्ट में भी पेरिस के ज्यूरिख एयरपोर्ट की तरह तकनीक देखने को मिलेगी।

आबादी की जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में हुए खूनी संघर्ष में एक पक्ष से सात घायल : पांच जिला अस्पताल रेफर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : महाराजगंज थाना क्षेत्र के गोंदालपुर गांव के बिंद बस्ती में सोमवार दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर मारपीट हो गए जिसमे एक पक्ष से सात घायल हो गए।जिनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार के बाद पांच की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।वहीं एक पक्ष के तहरीर पर पुलिस सात नामजद व एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। गोंदालपुर के बिंद बस्ती निवासी जमुना प्रसाद बिंद प्रथम पक्ष व दूसरा पक्ष खरभान बिंद के बीच लगभग डेढ़ वर्षो से आबादी की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।आए दिन हल्की फुल्की झड़प होती रहती थी ऐसे में सोमवार की सुबह उसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई देखते देखते लाठी डंडे सरिया निकल आए जिसमें प्रथम पक्ष जमुना प्रसाद बिंद, अजय कुमार,कन्हैया लाल, सूरज, राजकुमार, दिलीप, विजय घायल हो गए मौके पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार कर पांच गंभीर घायल कन्हैयालाल, सूरज राजकुमार, दिलीप व विजय को गंभीर चोट होने के कारण जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।इस संबंध में थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि प्रथम पक्ष जमुना के तहरीर पर द्वितीय पक्ष के खरभान, दीपई, शैलेंद्र, राकेश, रवींद्र जॉनी व एक अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।समाचार लिखे जाने तक थाने में घायल एक ही पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

सड़क किनारे महज दो फिट की ऊंचाई पर खुले मे रखा ढाई सौ केबीए का टांसफार्मर भारी हादसा का दे रहा दावत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : प्रयागराज––शाहगंज मार्ग महराजगंज दुगौली मधुवन साडी सेन्टर के सामने सड़क पटरी पर 250 केबीए का ट्रांसफार्मर सड़क से महज दो फिट ऊचे टूटे फूटे जर्जर चबूतरे पर बर्षो से खुला रखा गया है ! करीब डेढ सौ कनेक्सन धारक की विद्युत सप्लाई इसी ट्रान्सफार्मर से होती है ! महराजगंज फीडर का यह ढाई सौ केबीए का खुला ट्राघ्सफार्मर विभाग की घोर लापरवाही का उदाहरण है जिसके चलते किसी भी समय भारी हादसा हो सकता है ! ट्रान्सफार्मर के लटके खुले तारो की वजह से अक्सर करंट उतरने की भी शिकायते आती रहती है कई बार पशुओ को अपनी जान भी गवानी पड़ी है बरसात के मौसम मे चबूतरे के अगल बगल भी करंट उतरने का भय बना रहता है ट्रान्सफार्मर के ही बगल से होकर आने जाने वाले राहगीरो स्कूली बच्चे तथा छुट्टा पशुओ जैसे अन्य के साथ कभी कोई किसी भी समय भारी हादसे का शिकार हो सकता है। उपभोक्ता शिवपूजन सेठ आत्माराम हलवाई राजकुमार सिह जयनाथ यादव ओमप्रकाश सोनी संजय यादव बबलू सेठ समेत दर्जनो लोगो ने खुले तार को केबल मे बदलने व अति शीध्र टान्सफार्मर की बैरीकेटिंग कराने की मांग की है। इस सम्बंध मे विद्युत विभाग के जेई अवधेश यादव का कहना है खुले मे रखे ट्रान्सफार्मर की बैरीकेटिंग व केबल हेतु विभाग को पत्र लिखा गया है जल्द ही समस्या का समाधान कराया जायेगा।

तमंचा सहित जिन्दा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को 315 बोर के एक तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया! गिरफ्तार युवक ने अपना नाम पता अमन जैसवार पुत्र सुनील जैसवार निवासी मुरादपुर कोटिला बताया है! वरिष्ठ उपनिरीक्षक हरिनारायण पटेल ने मंगलवार अल सुबह गश्त पर थे! इसी बीच जरिये मुखबिर उन्हें सूचना मिली कि उसराबाजार में एक युवक 315 बोर तमंचा तथा 315 बोर एक जिन्दा कारतूस लेकर किसी घटना को अंजाम देने के लिए खड़ा है! वरिष्ठ उपनिरीक्षक हरिनारायण पटेल ने पुलिस टीम के साथ उसराबाजार में पहुँच कर उस युवक को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया! प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र सिंह ने बताया कि युवक को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया गया है!

गणित का प्रयोग जीव विज्ञान की सस्टेनेबिलिटी में महत्वपूर्ण : श्रीमथी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर और गुरु नानक कॉलेज चेन्नई के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वर्कशॉप के चौथे दिन मंगलवार को इंसुलिन पर चर्चा हुई। इस अवसर पर पीयू के प्रोफेसर राजेश शर्मा कहा कि इंसुलिन सबसे बड़ा रिकाम्बनेंट उत्पाद है जो कि औद्योगिक स्तर पर उत्पादित किया जा रहा है। उन्होंने फर्मेंटेशन तथा उत्पादों के निष्कर्षण (सुद्धिकरण) पर भी विस्तार से चर्चा की। गुरुनानक कॉलेज चेन्नई की एसोसिएट प्रोफेसर श्रीमथी ने गणित के उपयोग को जीव विज्ञान की सस्टेनेबिलिटी में महत्वपूर्ण बताया और फजी के मॉडल को विस्तार से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन गुरु नानक कॉलेज चेन्नई

की कार्यशाला आयोजक और समन्वयक डॉ.डॉली ने किया। इस अवसर पर प्रो.रामनारायण, डॉ. नूरजहां, प्रो.प्रदीप कुमार, डॉ मनीष गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ.एसपी तिवारी, ऋषि श्रीवास्तव, डॉ.एमजी रघुनाथन, मनजीत सिंह नय्यर, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ विवेक कुमार पांडेय, डॉक्टर सुधीर उपाध्याय आदि प्रतिभाग कर रहे थे।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बंधु/सीडा/उद्योग बंधु/व्यापार बंधु/श्रम बन्धु की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपायुक्त उद्योग हर्ष प्रताप सिंह द्वारा विद्युत पोल एवं जर्जर तारों को बदलने के संदर्भ में अवगत कराया गया कि अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड मछलीशहर का 15 प्रतिशत कार्य अवशेष है, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा अधि0 अभियंता विद्युत वितरण खण्ड को निर्देशित किया गया कि 15 जुलाई 2022 तक जर्जर तार को प्रत्येक दशा में बदल दिया जाए। जिलाधिकारी द्वारा सतहरिया में ए0सी0 बसों के ठहराव के संदर्भ में ए आर एम परिवहन को निर्देशित किया कि सतहरिया बस स्टैंड पर ए0सी0 बसों का ठहराव सुनिश्चित करें। बैठक में मजदूर संगठन के सदस्य द्वारा अवगत कराया कि मजदूरों को मानक के अनुसार वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया गया कि मजदूरों को मानक के अनुसार वेतन दिया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने जनपद में दुकानों की साप्ताहिक बंदी के संदर्भ में श्रम अधिकारी को निर्देशित किया

कि साप्ताहिक बंदी को नियमानुसार कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित करें अन्यथा की दशा में नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध जुर्माना लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। श्रम विभाग को निर्देशित किया कि मजदूरों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रूप से कराएं। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/विशेष कार्याधिकारी हिमांशु नागपाल सहायक, आयुक्त वाणिज्यकर मनीष राय, सहायक प्रबंधक जयप्रकाश, अध्यक्ष आई0आई0ए0 बृजेश कुमार यादव एवं जनपद के विभिन्न उद्यमी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पांच पर जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कोतवाली क्षेत्र के लेदुका गांव की गायत्री पत्नी राजबहादुर ने गाँव के ही 5 लोगों पर मारने पीटने, गाली गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि गांव के हीरालाल ,राय साहब ,संतोष यादव ,मनीष यादव तथा रतन सिंह पुरानी रंजिश को लेकर सोमवार की देर रात मारे पीटे! विरोध ा करने पर गाली गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस मामले की एफ आई आर दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी हुई है। प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

नशे से आजादी का पखवारा विश्व ड्रग दिवस

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सरजू प्रसाद शैक्षिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था और जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के तहत गृह मंत्रालय भारत सरकार

के द्वारा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग व अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता अभियान को संबोधित करते हुए अभय कुमार ने कहा कि आज खासतौर से युवाओं और बच्चों से यह अपील है कि नशे से दूर रहें नशा मुक्त जीवन अपनाए। स्वस्थ रहें और जीवन को खुशहाल बनाएं। डॉक्टर के बिना परामर्श के कभी भी नशीली दवाओं का सेवन न करें ।नशा एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है विश्व में आतंकवाद व अपराध की बढ़ोतरी में नशे के कारोबार की बड़ी भूमिका है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृह मंत्री अमित शाह के संदेश को पढ़ा गया। स्वापक नियंत्रक ब्यूरो प्रशांत कुमार श्रीवास्तव क्षेत्रीय निदेशक के निर्देश हमारे भारतीय समाज को नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं दुष्प्रभावों से बचाया जा सके। से अवगत कराया गया। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ नशा उन्मूलन के क्षेत्र में सूचनाओं का आदान–प्रदान और प्रयास उल्लेखनीय है। सभी लोगों के सामूहिक प्रयास से नशे की समस्या को जड़ से मिटाया जा सकता है । उक्त अवसर पर महिला कल्याण अधिकारी नीता वर्मा मध्यस्था अधिकारी डॉ दिलीप सिंह बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय राकेश अस्थाना मनोज निषाद केशव मौर्य इत्यादि बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे । पब्लिक में इस जागरूकता कार्यक्रम के प्रति उन्मुखता और उत्साह दिखा। कार्यक्रम आयोजक पूर्व अध्यक्ष बाल न्यायालय/ संस्था सचिव संजय उपाध्याय ने उपस्थित सभी के साथ संकल्प लिया गया।

मंगलवार की शाम मूसलाधार बरसात से लोगों को मिली राहत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : तहसील क्षेत्र में मंगलवार की शाम बादलों ने झूमकर बारसात किया। मूसलाधार बरसात से जहां गर्मी से लोगों को राहत मिली वही मड़ियाहू नगर में सड़कों पर पानी जमा होने से बाजार में आए ग्राहक एवं नगरवासी परेशान रहे। मंगलवार की शाम 3:25 बजे अचानक मौसम ने करवट बदली और बादलों में तेज गड़गड़ाहट के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हुई। यह बरसात करीब 1 घंटे तक तेजी के साथ होती रही। बरसात हो जाने से जहां तहसील क्षेत्र वासियों को गर्मी से निजात मिली वही बारिश बंद होते ही नगरवासी नालों के जाम होने से परेशानी में रहे। सड़कों के किनारे घुटने भर पानी लगे रहे जिससे सड़कों के पटरी के ऊपर ठेला लगाने वाले एवं खोमचे वाले बरसात के चलते परेशानी में रहे। घुटने भर पानी में ठेले वाले खड़े रहे। सड़कों के किनारे नगर में पानी इकट्ठा होने से पहली बरसात में नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था की पोल खोल कर रख दिया। नगरवासी कहते सुने गए कि अगर बरसात के पहले ही नालों की सफाई किया गया होता तो यह पानी घंटे भर तक सड़क के किनारे नहीं लगा रहता। फिलहाल अचानक आई बारिश से नगर में आए दूरदराज के ग्राहक वादकारी कहीं जा नहीं पाए जिसके कारण मड़ियाहूं नगर बरसात के बाद खचाखच भरा रहा। जिसको लेकर ग्राहकों को भी काफी परेशानी का सामना सड़कों पर पानी लगने के कारण करना पड़ा। फिलहाल पहली बरसात में भले ही मड़ियाहूं नगर के नगरवासी नगर पंचायत के करनी से परेशान रहे लेकिन गर्मी से उन्हें थोड़ा राहत जरूर मिला है। मौसम के बदले मिजाज ने नगर वासियों को खुश कर दिया है।

चालान कटने के बाद आप तत्काल मौके पर ही अपना जुर्माना अदा कर सकते –एसपी सिटी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : यातायात पुलिस द्वारा अब दो पहिया चार पहिया गाड़ियों को चालान काटने के लिए नई व्यवस्था की गई है। साथ ही इसके तहत लोग आसानी से चालान कटने वाले स्थान पर ही अपना पेमेंट करके छुटकारा भी पा सकते हैं इसके लिए विभाग द्वारा स्वचलित वच मशीन आज जनपद के लगभग 10 थाना क्षेत्रों को अपर पुलिस अधीक्षक शहर संजय कुमार द्वारा उपलब्ध कराई गई। इस मामले में जानकारी देते हुए एसपी सिटी संजय कुमार ने बताया कि अब चालान कटने के बाद आप तत्काल मौके पर ही अपना जुर्माना अदा कर सकते है । एसपी सिटी डॉ. संजय कुमार के ऑफिस में यातायात पुलिस को एसओपी मशीन वितरण कर बताया कि इस मशीन से अब बाहर से आने वाले लोगो का चालान कटने के बाद अब लोगो को परेशान होने की जरूरत नही आपका चलान कटने के बाद मौके पर ही आप अपने चालान की फीस देकर छुटकारा पा सकते हैं। अक्सर

बाहर से आने वालों का चालान कटने के बाद उनको परेशानी होती थी इसको देखते हुए प्रशासन ने इस तरह की व्यवस्था कर दी है।

जमीनी विवाद में हुए खूनी संघर्ष में इलाज के दौरान वाराणसी में हुई युवती की मौत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सिकरारा के राम सहाय पट्टी गाँव मे एक सप्ताह पूर्व जमीनी विबाद मे हुए खूनी संघर्ष में गम्भीर रूप से घायल पाँच लोगों में से ढक युवती की मंगलवार को वाराणसी के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर घर पहुंचने पर कोहराम मच गया।सूचना पर सिकरारा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करते हुए पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार उक्त गाँव मे विगत 22 जून को राम दवर व उनके पड़ोसी बच्चे लाल में जमीन के पुराने विवाद में हुए खूनी संघर्ष में लाठी डंडे, बल्लम,गदासी,ईट पत्थर जम कर चले थे जिसमें दोनों तरफ से दस लोग घायल हो गए थे। उनमें से गम्भीर रूप से घायल राम चंद्र की अविवाहित पुत्री माला देवी(26) सहित पांच लोगों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल से वाराणसी के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया था। दो दिन पूर्व माला की स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर परिजन उसे एक निजी अस्पताल ले गए थे जहां मंगलवार को दिन में 11 बजे उसने दम तोड़ दिया। मौत की खबर गाँव पहुंची तो वहां कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष विवेक तिवारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कराते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि उक्त घटना में 6 लोगों पर गैर इरादतन हत्या सहित अन्य धाराओं मुकदमा दर्ज कर चार लोगों को विरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। माला की मौत के बाद पुरानी धाराओं में बदलाव किया जाएगा।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जीवन एक साइकिल की तरह है, संतुलन बनाए रखने के लिए आगे बढ़ते रहना होता है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

अफगानिस्तान में भारत की वापसी : आम नागरिकों के लिए भेजी मदद

तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद भारतीय राजनयिकों को अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा, तो उसकी बड़ी वजह सुरक्षा का अभाव ही था। वहां स्थानीय स्तर पर सुरक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए विगत दो जून को एक भारतीय टीम ने अफगानिस्तान का दौरा किया।

तालिबान को दोबारा मजबूत होते देख अमेरिका ने पिछले साल जब काबुल से बाहर निकलने का फैसला किया, तब भारत भी अफगानिस्तान से बाहर निकल आया था। दरअसल अमेरिका ने अफगानिस्तान में जैसा बदलाव लाने की इच्छा जताई थी, दो दशक तक उस पर नियंत्रण बनाए रखने के बावजूद वह वैसा कुछ नहीं कर पाया था। 9/11 के बाद अफगानिस्तान की सत्ता से बाहर हुए तालिबान पिछले साल फिर सत्ता पर काबिज हो गए।

अल कायदा भले ही वैसा ताकतवर नहीं रहा, जैसा वह 9/11 के समय था, लेकिन आईएस और टीटीपी (तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान) ने उसकी जगह ले ली। भारत को निशाना बनाने वाले लश्कर और जैश जैसे आतंकी समूह भी मजबूत बने रहे। पिछले साल अमेरिका द्वारा वित्त पोषित अशरफ गनी की सरकार गिरने का मतलब था कि अफगानिस्तान में उथल–पुथल बरकरार रहे। वैसी स्थिति में भारत के सामने अपने राजनयिकों को वहां से बाहर निकाल लेने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था।

वैसे में उन अफगानी नागरिकों से भी भारत का रिश्ता टूट गया, शांति काल में वह जिनकी मदद कर रहा था। अलबत्ता काबुल में स्थिति सहज होते ही भारत ने अपनी अफगानिस्तान नीति पर पुनर्विचार करने का फैसला लिया। जैसा कि विदेश मंत्रालय ने रेखांकित किया है, भारत एक बार फिर 'अफगान नागरिकों के साथ अपने ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंध बहाल करने की' कोशिश कर रहा है। हालांकि भारत द्वारा तालिबान शासन को मान्यता न देने का निर्णय यथावत है।

दरअसल अमेरिकियों के अफगानिस्तान से बाहर निकलने के कुछ दिन बाद ही भारत ने तालिबान के साथ राजनयिक संपर्क का रास्ता खोला था, जब कतर स्थित भारतीय राजदूत दीपक मित्तल ने विगत 31 अगस्त को दोहा में तालिबान के राजनीतिक प्रमुख मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई से मुलाकात की थी। विगत जनवरी में संपन्न हुए पहले भारत–मध्य एशिया सम्मेलन में अफगानिस्तान की रुकी हुई परियोजनाओं तथा तुर्कमेनिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान–इंडिया (टीएपीआई) पाइपलाइन परियोजना पर काम शुरू करने का मुद्दा उठा।

अफगानिस्तान में पैदा हुए एकाधिक संकटों के कारण भी पड़ोस के इस देश में हमारी राजनयिक मौजूदगी की जरूरत पैदा हुई है। अगस्त, 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान को भीषण खाद्य संकट का सामना करना पड़ा। तब 30,000 टन गेहूं भेजकर भारत ने उसकी मदद की थी। अतिरिक्त 50,000 टन गेहूं भेजने के लिए भारत ने वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) के साथ एक समझौते पर दस्तखत किया था।

इसके अलावा भी भारत ने वहां 13 टन दवाएं, कोविड–19 वैक्सीन की पांच लाख खुराक और गर्म कपड़े भेजे थे। ईरान में रह रहे अफगान शरणार्थियों के टीकाकरण के लिए भारत ने वहां भी कोवाक्सिन की 10 लाख खुराक भेजी थी। भारत ने अफगानिस्तान को सही समय पर मानवीय मदद पहुंचाई, क्योंकि रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद कई देशों में खाद्यान्न का संकट पैदा हो गया है। अफगान नागरिकों को मदद पहुंचाने के लिए वहां की सुरक्षा की स्थिति का आकलन करना जरूरी है।

तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद भारतीय राजनयिकों को अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा, तो उसकी बड़ी वजह सुरक्षा का अभाव ही था। वहां स्थानीय स्तर पर सुरक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए विगत दो जून को एक भारतीय टीम ने अफगानिस्तान का दौरा किया। चूंकि यह टीम भारत द्वारा दी जाने वाली मदद की भी समीक्षा करना चाहती थी, इस कारण टीम के सदस्यों ने तालिबान के वरिष्ठ लोगों से मुलाकात की।

उस मुलाकात के दौरान ही भारत द्वारा अफगानिस्तान के साथ अपना राजनयिक संबंध फिर से शुरू करने का फैसला लिया गया। तालिबान ने न केवल भारत के इस फैसले का स्वागत किया, बल्कि भारतीय राजनयिकों को अफगानिस्तान में पूरी सुरक्षा मुहैया कराने का भरोसा भी दिया। उन्होंने इसका भी भरोसा दिलाया कि अफगानिस्तान में भारतीयों और भारतीय परियोजनाओं को लश्कर और जैश जैसे पाक प्रायोजित आतंकवादी समूहों द्वारा कतई निशाना बनाने नहीं दिया जाएगा।

काबुल में भारतीय दूतावास का औपचारिक रूप से खुलना तालिबान शासन के लिए ही मददगार साबित हुआ है, क्योंकि इससे दुनिया भर में यह संदेश गया है कि अफगानिस्तान में सुरक्षा की स्थिति बेहतर है, और राजनयिक मिशन वहां काम कर सकने की स्थिति में हैं। इससे तालिबान शासन को मान्यता बेशक नहीं मिलेगी, लेकिन इससे उनके प्रति वैश्विक समुदाय के शत्रुतापूर्ण रवैये में जरूर कुछ कमी आएगी।

जाहिर है कि काबुल में भारतीय दूतावास का फिर से खुलना हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान को रास नहीं आया है। उसे लग रहा था कि तालिबान के शासन में अफगानिस्तान पर उसकी पकड़ बहुत मजबूत बन गई है। जाहिर है, डूरंड लाइन के पास शरणार्थियों के मुद्दे पर तालिबान शासन से हुई अनबन के बाद भारत के इस कदम से पाकिस्तान को अफगानिस्तान में दूसरा झटका लगा है। अफगानिस्तान में भारत की वापसी पाकिस्तान को आगे भी असहज करती रहेगी।

इसी कारण वह यह प्रचार कर रहा है कि भारत और तालिबान कभी नहीं मिल सकते। सुरक्षा के मुद्दे पर भारत को डराने और उसे अफगानिस्तान से अपना कदम वापस खींचने को मजबूर करने के लिए ही काबुल के गुरुद्वारा में एक आतंकी हमला किया गया। आईएसकेपी नाम के जिस संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी ली, उसके 50 फीसदी से अधिक सदस्य पाकिस्तानी हैं और संगठन का रावलपिंडी स्थित सैन्य मुख्यालय से नजदीकी संबंध बताया जाता है। तालिबान ने नेशनल आर्मी के सैनिकों को प्रशिक्षण के लिए भारत भेजने का जो फैसला लिया, उससे भी पाकिस्तान नाराज है।

पर पाकिस्तान भूल रहा है कि भारत यह देखे बिना हमेशा ही अफगानिस्तान की मदद करता आया है कि वहां सत्ता में कौन है। इस बीच अफगानिस्तान में भीषण भूकंप आया, जिस पर भारत ने स्वाभाविक ही मदद का हाथ बढ़ाया। चूंकि चीन, पाकिस्तान और रूस जैसे देश पहले से ही अफगानिस्तान के मामले में सक्रिय हैं, ऐसे में, भारत का अलग–थलग रहना नुकसानदेह ही साबित होता, क्योंकि वैसे में अफगानिस्तान में हमारी पहले वाली जगह और हैसियत पर इन देशों का कब्जा हो जाता। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान का होना एक ठोस सच्चाई है और भारत को इस माहौल में आगे बढ़ने का रास्ता तलाशना होगा।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

जिले के 25.3 हजार उज्ज्वला लाभार्थी परिवारों को आयुष्मान योजना से जोड़ने का है लक्ष्य

सुल्तानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : सरकार की ओर से उज्ज्वला योजना के लाभार्थी परिवारों को आयुष्मान योजना से आच्छादित करने का निर्णय लिया गया है । इसके तहत सभी उज्ज्वला योजना से आच्छादित परिवारों के सदस्यों का आयुष्मान कार्ड भी बनाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सरकार ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थी परिवारों को भी आयुष्मान योजना का लाभ देने का निर्णय लिया है । इसके लिए राज्य की ओर से मुख्य कार्यपालक अधिकारी–आयुष्मान भारत पीएम–जेवाई द्वारा निर्देश भी दिए गए हैं । राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार की ओर से प्रदेश के सभी उज्ज्वला योजना से आच्छादित परिवारों का डाटा उपलब्ध कराया गया है । इसमें शामिल परिवार आयुष्मान भारत पीएम–जेवाई के डाटाबेस में शामिल हैं । प्राप्त डाटा के अनुसार जिले के 25 हजार 300 उज्ज्वला योजना के लाभार्थी परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है । आयुष्मान भारत योजना के जिला इन्फॉर्मेशन सिस्टम मैनेजर दुर्गेश नंदन ने बताया कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थी परिवारों से संपर्क कर उनका आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है । इसके लिए आशा, आंगनवाड़ी, कोटेदार और पंचायत सहायकों के सहयोग लिया जा रहा है । उन्होंने बताया कि मई माह में आदेश मिलने के बाद उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान योजना से जोड़ने का कार्य शुरू किया जा चुका है। बल्दीराय ब्लॉक के ग्राम डीह की रहने वाली उज्ज्वला योजना की लाभार्थी गुंजन ने कहा कि गरीब और असहाय परिवारों के लिए सरकारी योजना से बहुत सहारा मिलता है । आयुष्मान योजना में हम जैसे लोगों को शामिल करने के लिए सरकार का धन्यवाद, अब हमलोग भी किसी दुर्घटना या बड़ी बीमारी की स्थिति में महंगा इलाज करवा सकेंगे। डीह के रहने वाले राम मूरत ने कहा कि 10 हजार रुपए का उपचार करना भी हमारे लिए बहुत बड़ी समस्या है, ऐसे में आड़े वक्त में आयुष्मान योजना में पांच लाख तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा इसके लिए हमें बहुत खुशी है। आयुष्मान योजना के पात्र लाभार्थी कार्ड बनाने के लिए करें संपर्क – आयुष्मान योजना के तहत प्रति लाभार्थी परिवार पांच लाख रुपये सालाना तक का स्वास्थ्य बीमा दिया जाता है । पात्र लाभार्थी आयुष्मान योजना से सम्बद्ध सभी सरकारी चिकित्सालयों, पंचायत भवन, कॉमन सर्विस सेंटर और समय–समय पर आयोजित होने वाले आयुष्मान कैंप में जाकर अपना निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

जिले का पदभार संभालते ही एक्शन में दिखे नवागत पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा

सुल्तानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : नवागंतुक पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा द्वारा पुलिस लाइन सभागार में जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी , प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष तथा समस्त कार्यालयो के प्रभारी के साथ गोष्ठी की गयी । पुलिस अधीक्षक द्वारा शासन द्वारा चलायी जा रही 100 दिन की कार्य योजना में की गयी कार्यवाही के सम्बध मे , गौ तस्करो के विरुद्ध कठोर कार्यवाही, बच्चियों तथा महिला सम्बंधी अपराधो पर तत्काल कठोर कार्यवाही , आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतो के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण , 14(1) की कार्यवाही ,अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही तथा अवैध बस

एवं टैक्सी स्टैड के विरुद्ध कार्यवाही के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये, इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे।

थाना जैतीपुर पुलिस ने सवा किलो अफीम सहित मादक पदार्थ तस्कर को किया गिरफ्तार

उमाकान्त श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ शाहजहाँपुर : पुलिस अधीक्षक एस आनन्द की सख्ती के चलते जिले के सभी थाना प्रभारी अराजकता फैलाने वालों एवँ मादक पदार्थ , अबैध शस्त्र , अबैध शराब , लूटपाट करने वालों के विरुद्ध धरपकड़ अभियान के चलते थाना जैतीपुर पुलिस टीम ने अबैध मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। जनपद में मादक पदार्थो की रोकथाम व मादक पदार्थ तस्करों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के चलते अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण संजीव कुमार बाजपेयी के पर्यवेक्षण एंव क्षेत्राधिकारी तिलहर अरविन्द कुमार के निर्देशन में सोमवार की शाम थानाध्यक्ष राजेश बाबू मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम में शामिल उप निरीक्षक संजीव कुमार , चन्द्र शेखर एवँ आरक्षी अंकित नेहरा , प्रवीण शर्मा ने सदिग्ध व्यक्ति , वस्तु , वाहन चौकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर नगरिया खुर्द बार्डर सड़क किनारे ग्राम मानपुर त्रिलोक तालाब के आगे शाम करीब साढ़े छह बजे पड़ोसी जिला बदायूँ के थाना दातागंज के गाँव नेता झुकसा निवासी वीरेन्द्र कुमार को 01 किलो 250 ग्राम अफीम बरामद करते हुए गिरफ्तार किया । जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 01 करोड़ 25 लाख रूपये बताई जाती

है । इस सम्बन्ध मे थाना जैतीपुर पर एन डी पी एस एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज करके अग्रिम कार्यवाही के लिए आरोपी को न्यायालय भेजा गया है। पूँछ तांछ करने पर वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि मैं कभी कभी सस्ते दामों में जनपद में खेती करने वाले लोगो से अफीम खरीदकर जनपद बरेली , बदायूँ एवँ आस पास के जिलों में अफीम ऊंचे दामों में बेंच देता हूँ। आज मैं अफीम बेचने के लिये ग्राहक की तलाश में था कि पकड़ा गया।

राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक ने रौजा चीनी मिल क्षेत्र के दो गाँवों की पढ़ कर सुनाई सर्वे रिपोर्ट

उमाकान्त श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ शाहजहाँपुर : मंगलवार को जिला गन्ना अधिकारी गन्ना विकास परिषद, रोजा के ग्राम सल्लिया एवं मुकरमपुर में चल रहे गाटा सत्यापन कार्य का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। राजकीय गन्ना पर्वेक्षक राम रक्षा तिवारी एवं बबलू कुमार ने ग्राम सल्लिया एवं मुकरमपुर में किसानों के मध्य गाटा फीडिंग की सूची को पड़ कर सुनाया गया। ग्राम सल्लिया में 208 कुल आपूर्ति कर्ता किसान है। तथा मुकरमपुर मे 90 गन्ना आपूर्ति कर्ता किसान है। जिनमें से अधिकांश किसानो की गाटा फीडिंग कर ली गयी है। कुछ किसानों ने अन्य गाँवों में भी जमीन होने के साक्ष्य प्राप्त कराए गए है। जनपद मे 2.07 लाख गन्ना किसानो ने इस वर्ष 99651.28 हेक्टेयर में गन्ना की फसल बोई है। आगामी पेराई सत्र मे गन्ना किसानो की कृषि योग्य भूमि एवं गन्ना क्षेत्रफल , गाटा संख्यावार ही ग्राम स्तरीय सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन के दौरान गन्ना किसानो के मध्य प्रदर्शित किया जाना है। श्री संजय आर. भूसरेड्डी अपर मुख्य सचिव गन्ना विकास संजय भूसरेड्डी एवं चीनी उद्योग उत्तर प्रदेश ने पूरे प्रदेश में एक साथ 20 जुलाई 2022 से 30 अगस्त तक ग्राम स्तरीय सर्वे व सट्टा प्रदर्शन का निर्देश सभी जिला गन्ना अधिकारियो को दिया । इस दौरान किसानो को अपने गन्ना सट्टा से सम्बंधित सभी अभिलेख देखने को मिलेंगे । इस अवसर पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक रौजा सुनील कनौजिया , महाप्रबंधक रौजा चीनी मिल बृजेश शर्मा , गन्ना किसान लल्ला सिंह , राम निवास , राजा राम , शिशुपाल , तरुण कुमार , आकाश शिव कुमार व अन्य लोग उपस्थित रहे।

बैंक जाने के लिए निकली दो सगी बहने दूसरे दिन भी नहीं लौटीं घर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सिकरारा के एक गांव से दो सगी बहने सोमवार को बैंक जाने के लिए दोपहर बाद घर से निकली थी लेकिन मंगलवार शाम तक भी घर वापस न आने पर परिजन किसी अनहोनो की आशंका से परेशान हो उठे और थाने पहुँच कर लिखित सूचना दिए। जानकारी के अनुसार उक्त गांव के एक परिवार की 14 व 16 साल उम्र की दो सगी बहने जब बैंक जाने के दूसरे दिन भी घर नहीं लौटीं तो उसके पिता ने स्थानीय थाने पर लिखित तहरीर देकर बताया कि उसकी दो बेटियां सोमवार को बैक जाने लिए घर से गईं थीं।शाम तक वापस नहीं आईं तो चिंता बढ़ने लगी।बैंक व बाजार के अलावा सगे सम्बन्धियों के यहाँ पता किया गया लेकिन कहीं सुराग नहीं मिला।उनका मोबाइल भी बन्द मिल रहा है। उक्त सन्दर्भ में थानाध्यक्ष विवेक तिवारी ने बताया कि प्रकरण की सूचना मिली है पुलिस टीम द्वारा छान बीन की जा रही है।

सामाजिक समरसता व नारी सशक्तीकरण का अदभुत संदेश : भारत की भावी राष्ट्रपति आदिवासी महिला –द्रौपदी मुर्मू

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) विश्व संवाद केन्द्र के समीक्षक मृत्युंजय दीक्षित के अनुसार केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राजग गठबंधन की सरकार ने झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाकर सामाजिक समरसता व नारी सशक्तीकरण का अदभुत संदेश दिया है जिससे आदिवासी समाज व महिलाओं के बीच प्रसन्नता की लहर दौड़ गई है। संसद व विधानसभाओं की अंकगणित के अनुसार राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू की जीत महज औपचारिकता भर रह गयी है क्योंकि उन्हें ओड़िशा की बीजू जनता, आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस और बहन मायावती का समर्थन भी मिल चुका है। द्रौपदी मुर्मू छह साल तक झारखंड की राज्यपाल रह चुकी हैं इसलिए झारखंड की झारखंड मुक्ति मोर्चा सहित एनडीए में शामिल रहे सभी वर्तमान तथा पूर्व घटकों का सहयोग भी उन्हें मिलने जा रहा है। भाजपा ने आदिवासी समाज की (अनुसूचित जनजाति)की महिला को अपना राष्ट्रपति प्रत्याशी बनाकर एक तीर से कई निशाने साध लिये हैं। राजनैतिक विष्लेशकों का अनुमान है कि आगामी दिनों में भाजपा को इसका राजनैतिक लाभ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ झारखंड गुजरात और ओड़िशा जैसे आदिवासी बहुल राज्यों में मिलेगा। मणिपुर में 41 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 34 प्रतिशत, त्रिपुरा में 32 प्रतिशत, झारखंड में 26.2 प्रतिशत और गुजरात में 15 प्रतिशत आदिवासी हैं । आदिवासी समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग अभी भी विकास में बहुत पिछड़ा हुआ है । ऐसे समय पर राष्ट्रपति पद पर आदिवासी समुदाय की एक जुझारू महिला के होने का मात्र प्रतीकात्मक महत्व नहीं होगा बल्कि यह जनजातीय समाज के सर्वांगीण और वास्तविक विकास का भी स्वर्णिम अवसर बनेगा। इस निर्णय के साथ ही पार्टी अपनी शहरी पार्टी होने कि छवि से बहुत आगे निकल गयी है। यह भारत जैसे महान लोकतांत्रिक देश व भाजपा जैसे सर्व समावेशी राजनैतिक दल में ही संभव है कि बेहद गरीबी व जमीन से उठी एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति पद को सुशोभित करने जा रही हैं। 25 वर्ष के बेदाग राजनैतिक जीवन जीने वाली भारतीय संस्कारों से ओतप्रोत राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू उम्मीदवारी की घोषणा के साथ ही ओड़िशा में रायरंगपुर के जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना करती हैं। 18 मई 2015 को झारखंड का राज्यपाल बनने के पहले वह ओड़िषा में दो बार विधायक और एक बार राज्यमंत्री के रूप में कार्य कर चुकी हैं । अपने पूरे कार्यकाल में वह कभी विवादों में नहीं रहीं। झारखंड के जनजातीय मामलों, शिक्षा, कानून व्यवस्था ,स्वास्थ्य से जुड़े मुददों पर वह हमेशा सजग रहीं। द्रौपदी मुर्मू जी का जन्म 20 जून 1958 को ओड़िशा के मयूरभंज के एक आदिवासी परिवार में हुआ। रामा देवी वीमेंस कालेज, भुवनेश्वर से बीए की डिग्री लेने के बाद उन्होंने एक स्कूल शिक्षिका के रूप मे

निःस्वार्थ सेवा की। ओड़िशा के राज्य सचिवालय में नौकरी की। 1997 में रायरगंपुर नगर पंचायत का चुनाव जीतकर राजनीति में पर्दापण किया। पार्षद बनने के बाद वह मानवता की सेवा में लगी रहीं।2000 में रायरंगपुर के के विधायक से वर्ष 2007 के सर्वश्रेष्ठ विधायक के लिए नीलकांठा पुरस्कार से सम्मानित होने तक उनका राजनीतिक सफर बहुत ही उज्ज्वल व बेदाग रहा जिसका कोई सानी नहीं है। इस प्रकार पार्षद से राष्ट्रपति पद तक उनकी यात्रा देश की सभी आदिवासी महिलाओं के लिए एक आदर्श व प्रेरणा भी हैं। वह देश की ऐसी पहली महिला राष्ट्रपति उम्मीदवार है जिनका जन्म आजादी के बाद हुंआ है। जब से उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है तब से उनके घर व गांव में हलचल है। लेकिन उनकी दिनचर्या में कोई बदलाव नहीं आया है। वह अपने आवास से थोड़ी दूर स्थित शिव मंदिर में झाड़ू लगाकर अपने दिन का प्रारंभ करती हैं। भगवान शिव में उनकी गहरी आस्था है। द्रौपदी मुर्मू जी तथा उनका परिवार पूर्ण रूप से शाकाहारी हैं। द्रौपदी एक बहुत ही गरीब आदिवासी परिवर की बेटी हैं। जो एक बड़ी उम्र तक शौच के लिए घर के बाहर जाने को अभिशप्त थीं। द्रौपदी जी अपने परिवार की एक ऐसी बेटी थीं जो केवल इसलिए पढ़ना चाहती थीं ताकि परिवार के लिए रोटी कमा सकें। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी ने अपने व्यक्तिगत जीवन में बहुत दुःख झेले। उन्होंने अपने पति और दो बेटों कि असमय मृत्यु मौत का दर्द सहा और दूसरे बेटे की मृत्यु के बाद वे ब्रह्मकुमारी परिवार से जुड़ गयीं । उस समय उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि वह एक दिन राष्ट्रपति के पद की उम्मीदवार बनेंगी और जीत के करीब पहुचं जायेंगी। 2009 में चुनाव हारने के बाद फिर से गांव जाकर रहने लगीं और जब वापस लौटीं तो अपनी आंखों को दान करने की घोषण की और अब वह भारत की राष्ट्रपति बनने जा रही हैं। वह जिस गांव में रहती थीं वहां कहा जाता था कि राजनीति बहुत बुरी चीज है औ महिलाओं को राजनीति से बहुत दूर रहना चाहिए, आज उसी गांव की महिला राष्ट्रपति बनने जा रही हैं। दशकों तक पर्याप्त भोजन और वस्त्रों से भी दूर रहे समुदाय को देश के सबसे बड़े भवन तक पहुंचाकर भारत ने विश्व को एक बार फिर दिखा दिया है कि यहां रंग, जाति, भाषा, धर्म, जाति, संप्रदाय का कोई भेद नहीं चलता। जब देश में अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है उस समय एक आदिवासी समाज की महिला का राष्ट्रपति भवन तक पहुंचना एक सुखद संदेश है। द्रौपदी मुर्मू जी का राष्ट्रपति भवन तक पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की एक शुभ घटना है। द्रौपदी जी के नामांकन पत्र भरने के समय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, "राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी की देश भर में और समाज के सभी वर्गो द्वारा सहराहना की जा रही है। जमीनी समस्याओं के प्रति उनकी समझ और भारत के विकास को लेकर उनकी दृष्टि स्पष्ट है।

खेलकूद का हमारे वर्तमान जीवन शैली में महत्व

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। डॉ आलोक कुमार द्विवेदी राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हुन नारसन हरिद्वार उत्तराखंड ने राजाजीपुरम लखनऊ स्थित आवास पर एक विशेष भेंटवार्ता में बताया कि आजकल के वैज्ञानिक तथा भागम दौड़ ही जिंदगी में मनुष्य एक मशीन बनकर रह गया है। वर्तमान समय में मनुष्य के पास सब कुछ है परंतु अच्छा स्वास्थ्य नहीं है। आज से हम अगर हम 80 के दशक में जाएं तो हम देखते थे एक नगर में एक या दो से ज्यादा अस्पताल नहीं थे लोगों की आवश्यकताएं समिति परंतु 80 के दशक से 2022 आने को हो गया है इस बीच हम देखते हैं की हर मोहल्ले में कोई न कोई नर्सिंग हो तथा अस्पताल दिख जाएंगे और हर व्यक्ति तनाव भरी जिंदगी वह बीमारू दिखाई देगा। इसका प्रमुख कारण युवा से लेकर बुजुर्ग तक अपने को प्रकृति से दूर रखना है। आज के वर्तमान समय में अगर हम देखें तो हमारे पास सब कुछ है परंतु हमारा बचपना नहीं है। इसका प्रमुख कारण है कि हम आउटडोर खेलों से दूर हैं। इंडोर गेम जिसको हम कंप्यूटर , मोबाइल, इंस्टाग्राम तथा लैपटॉप से संबंधित खेलों के रूप में जानते हैं इसी को हम सब समय देते हैं। जिसके कारण हम तनाव में तथा मनोरोगी होते जा रहे हैं। हम वर्तमान समय में लाख प्रतिभावान हैं परंतु हम हार बर्दाश्त नहीं करते जिसके कारण हम जल्दी ही डिप्रेशन में चले जाते हैं। अगर हम खेलकूद को अपने वर्तमान समय में महत्व दें तो हम स्वस्थ रहकर स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। इसके लिए हम को अपने दैनिक जीवन में बहुत कुछ नया करने की जरूरत नहीं है। सर्वप्रथम जल्दी सोने और सूर्य उदय से एक घंटा पहले उठने का आदत डालें और स्वस्थ रहने के लिए कोई न कोई व्यायाम करने की आदत डालें,

चाहे वह योग, वॉक, रनिंग इत्यादि कोई भी विधा चुने। स्वस्थ भोजन तथा स्वच्छता का भी ध्यान रखें। इतना करने से हम सब दिन भर चुस्त–दुरुस्त रहेंगे। हम अगर विकसित देशों की ओर ध्यान दें तो हम पाएंगे ओलंपिक में जिस देश का पदक तालिका में सर्वोच्च स्थान रहेगा वह देश उतना ही विकसित कहलाएगा। कहने का तात्पर्य है जिस देश का प्रत्येक व्यक्ति जितना स्वस्थ रहेगा और वहां का समाज अपने दैनिक जीवन में जितना खेल कूद का महत्व देगा उतना ही वह देश विकसित होगा। उदाहरण के तौर पर चीन में खेलकूद को अनिवार दर्जा दिया गया है। वहां के प्रत्येक व्यक्ति को अपने दिन भर में से कुछ न कुछ समय मैदान में देना ही होगा। अतः अगर हमें विश्व का सिरमौर बनना है। तो हमको अपने आम जीवन में खेलकूद की शैली को अपनाना पड़ेगा और स्वस्थ समाज की निर्माण में अपना सहयोग देना होगा। जिससे हम स्वस्थ होकर भारत के विकास में अपना सहयोग दे सकें।

पर्यटकों के लिए नया ठौर होगा नमो घाट : टूरिस्ट प्लाजा से चमकेगा दशाश्वमेध घाट

वाराणसी ब्यूरो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे में काशी को मिलने वाली सौगात को अंतिम रूप दिया जाने लगा है। काशी के अर्द्धचंद्राकार घाटों की खूबसूरती में चार चांद लगाने वाले निर्माणाधीन नमो घाट के फेज–1 को पीएम मोदी जनता को समर्पित करेंगे। यह घाट दुनियाभर के सैलानियों के लिए काशी में एक नया ठौर बनेगा। इसके साथ ही दशाश्वमेध घाट पर बनकर तैयार टूरिस्ट प्लाजा भी पर्यटन सुविधाओं को नया मुकाम देगा। इसके साथ ही दो दर्जन परियोजनाओं का भौतिक सत्यापन मजिस्ट्रेट के जरिए कराया जा रहा है। इसके साथ ही परियोजनाओं को पूरा करने में प्रशासन ने पूरी ताकत लगा दी है। पीएम के हाथों शिलान्यास व लोकार्पित होने वाली परियोजनाओं की सूची तैयार कराई जा रही है और उसे अंतिम रूप देने के लिए शासन की सहमति का इंतजार है। गंगा दर्शन से लेकर स्नान तक की मिलेंगी सुविधाएं राजघाट से सटे नया बनकर तैयार नमो घाट पर्यटकों की सुविधाओं को खास ख्याल रखकर बनाया गया है। यहां वाहन पार्किंग से लेकर चिल्ड्रन पार्क और सेल्फी प्वाइंट तक की व्यवस्था की गई है। गेल की ओर से सीएनजी स्टेशन के निर्माण से गंगा में चलने वाली नावों का प्रमुख केंद्र भी यह घाट होगा। इसके साथ ही यहां सैलानियों व श्रद्धालुओं को गंगा दर्शन से लेकर स्नान की विशेष सुविधा होगी। करीब 39 करोड़ रुपये की लागत से इस घाट के पहले चरण का काम पूरा हो गया है। दशाश्वमेध घाट पर बने टूरिस्ट प्लाजा में सात दर्जन से ज्यादा दुकानें पर्यटकों को रिझाएंगी। इसके साथ ही एक फ्लोर पर फूड प्लाजा पर बनारसी व्यंजनों का स्वाद लोग चख सकेंगे। यहां बन रहे थ्री डी दीवार पर काशी के घाट के इतिहास भी पर्यटकों को दिखाई देंगे। करीब 21 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस प्लाजा को निर्माण अंतिम दौर में है। पीएम लोकार्पण के बाद गृह प्रवेश करेंगे जरूरतमंद प्रदेश के पहले पीपीपी मॉडल पर बन रहे प्रधानमंत्री आवास का लोकार्पण भी पीएम मोदी के हाथों कराया जाएगा। हरहुआ के दासेपुर में श्री साईबाबा प्रोजेक्ट लिमिटेड की ओर से तैयार 608 आवास की परियोजना तैयार हो गई है। पीएम इस परियोजना को लोकार्पित करेंगे और इसके बाद विकास प्राधिकरण आवंटियों को फ्लैट की रजिस्ट्री करेगा। मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल का कहना है कि परियोजनाओं को समय से पूरा कराने के लिए कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया गया है। प्रत्येक परियोजनाओं का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। जून में कई परियोजनाएं पूरी हो रही हैं।

उपचुनाव में हार से सबक ले एसी कमरे से निकलें अखिलेश –ओमप्रकाश राजभर

गाजीपुर ब्यूरो : सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और जहूराबाद सीट से विधायक ओमप्रकाश राजभर ने गाजीपुर में कहा कि उपचुनाव में हार के बाद अखिलेश यादव को सबक लेना होगा। उनको अब एसी कमरे से निकलना पड़ेगा। नॉन एसी का इस्तेमाल करना पड़ेगा और संगठन को नए सिरे से मजबूत करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जब हम सो जाते हैं तभी मीटिंग नहीं होती। जब जगे होते हैं तो संगठन का काम करते हैं। अपने काम में पूरी तरह लगे हुए हैं। कल 112 मीटिंग की, आज 119 मीटिंग हुई है। हम लोग छोटे–छोटे चौपाल लगाते हैं। यही सलाह उनको (अखिलेश यादव) भी देते हैं। सबको लगना पड़ेगा। हवा में नहीं होगा। ओमप्रकाश राजभर ने दिनेश लाल निरहुआ को लेकर कहा कि कोई उनमें कुव्वत नहीं है। वहां (संसद में) जबान नहीं खोल पाएंगे। हां में हां मिलाते रहे और सुर में सुर मिलाकर गाना गाते रहे। ओमप्रकाश राजभर ने सरकार को घेरा सुभासपा जखनियां विधानसभा संगठन की समीक्षा बैठक सोमवार को हंसराजपुर कार्यालय पर संपन्न हुई जिसमें कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि कार्यकर्त्ता किसी भी पार्टी का नींव होता है। नींव जितनी मजबूत होगी, मकान रूपी पार्टी उतनी मजबूती के साथ ऊंचाई पर जाएंगी। उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि हमें समस्त वंचित वर्ग को सुभासपा के साथ जोड़ना है और सभी को साथ लेकर, जातिवार जनगणना, सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट को लागू कराना, प्रदेश वासियों को बढ़ती हुई महंगाई से निजात दिलाना, गरीबों को निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराना, घरेलू बिजली बिल को माफ कराना, पिछड़े वंचित विद्यार्थियों को शुल्क प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृति दिलाना एवं सभी को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना है।

बच्चों के सिर से उठ गया मां–बाप की साया बदलापुर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के बहरा पार्क के पास फोरलेन पर मंगलवार की सुबह पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार सुभाष सिंह 48 वर्ष उनकी पत्नी नीलम सिंह 45 वर्ष की मौत हो गई। उनकी मौत की खबर मिलते ही कुशहा गांव में हाहाकार मच गया। एक साथ हुई पति पत्नी की मौत के बाद बस्ती में चूल्हे तक नहीं जले। सुभाष सिंह तीन भाइयों में दूसरे नंबर के थे। उन्हीं के ऊपर पूरे परिवार की परवरिश थी। दूध निकालकर प्रतिदिन बेचते थे ! बिक्री के पैसे से ही परिवार का भरण पोषण करते थे। परिवार गरीबी की भेंट चढ़ गया है। सुभाष के पास चार पुत्रियां और 2 पुत्र हैं। चार पुत्रियों में बड़ी पुत्री नेहा की शादी दो साल पहले हो चुकी है ! निशू 22 ,आंसू 20 , राज 18 , काजल 16 किशन 15 वर्ष के हैं। घर में मौजूद सयानी लड़कियों की शादी को लेकर पिता सुभाष तथा मां नीलम सुबह से शाम तक चिंतित रहा करते थे। लेकिन उन्हें क्या पता था कि बच्चियों का हाथ पीला करने के पहले ही चल बसेंगे। लेकिन ईश्वर को कुछ ऐसा ही मंजूर था। उनकी बच्चियां नेहा, निशू ,काजल, आंसू, राज व किशन का रोते–रोते बुरा हाल हो गया है। घर की पूरी जिम्मेदारी सुभाष तथा उनकी पत्नी के ऊपर थी। सोमवार को अपनी ममेरी बहन गीता की सासु की तेरहवीं में पति पत्नी शामिल होने चांदा सुल्तानपुर गये थे। मंगलवार को जैसे ही वह चांदा से वापस घर आने की तैयारी करने लगे कि रिश्तेदारों ने उन्हें रोकने का भर पूर प्रयास किया! किन्तु होनी को कौन टाल सकता है। किंतु होनी को कौन टाल सकता है। ईश्वर को कुछ ऐसा ही मंजूर था इसीलिए रिश्तेदारों की बात को काटते हुए पति पत्नी अपने घर कुशहा के लिए रवाना हो गए। इसी दौरान अभी सूरज पूरी तरह से निकला नहीं पाया था कि यह मनहूस खबर घर पहुंच गई कि सुभाष और उनकी पत्नी नीलम सड़क दुर्घटना में काल के गाल में समा गए हैं। उनके गृह गांव कुशहा में शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है बच्चे एवं बच्चियों का रोते–रोते बुरा हाल हो गया है

आरोपी को विभिन्न धाराओं में कुल मिलाकर 15 वर्ष का कठोर कारावास व 18,000 रूपये के जुर्माने से किया गया दण्डित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वादी मुकदमा शेर बहादुर बिन्द पुत्र दीपनारायन निवासी जंगीपुर थाना सरपतहाँ के लिखित तहरीर पर अभियुक्त जसवन्त बिन्द पुत्र कर्मराज बिन्द निवासी ग्राम जंगीपुर थाना सरपतहा जौनपुर द्वारा कारित अपराध के संबंध में थाना सरपतहा में दिनांक 05.05.2014 को मु0अ0सं0 194/14 धारा 363,366,376 भा0द0वि0 व 8 पाक्सो एक्ट पंजीकृत हुआ। अभियोग की विवेचना तत्परता से गुणवत्ता कायम रखते हुए पूर्ण की गयी तथा आरोपी के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय में प्रेषित किया गया। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद जौनपुर द्वारा महिलाओंध्बालकों के विरूद्ध हो रहे अपराधों पर कठोरता से नियंत्रण लगाने एवं अभियुक्तों को अधिकाधिक दण्डित कराने हेतु उपर्युक्त अभियोग को जनपदीय पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही एवं सम्यक पैरवी हेतु निर्देशित किया गया। श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नगर महोदय के कुशल नेतृत्व में मॉनिटरिंग सेल द्वारा सम्यक पैरवी एवं प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरुप दिनांक 28.06.2022 को माननीय न्यायालय विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट(अनन्य) जौनपुर द्वारा अभियुक्त उपरोक्त को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम–2012 की धारा 8 में 3 वर्ष के कठोर कारावास तथा मु0–2,000– रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया,अर्थदण्ड अदा न करने पर उसे एक माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। भा0द0वि की धारा 363 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध में 2 वर्ष के कठोर कारावास तथा मु0–4,000– रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया,अभियुक्त द्वारा अर्थदण्ड अदा न करने पर उसे दो माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। भा0द0वि0 की धारा 366 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध में 3 वर्ष का कठोर कारावास तथा मु0–5,000– रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न अदा करने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। भा0द0वि0 की धारा 376 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध में 07 वर्ष के कठोर कारावास तथा मु0–7,000–रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न अदा करने पर पांच माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। सभी सजाएं साथ साथ चलेंगी। अभियुक्त द्वारा पूर्व में बितायी गई कारावास की अवधि इस अवधि में समायोजित की जायेगी।

कृषि विज्ञान केंद्र पहुँचे कुलपति ने दिए दिशानिर्देश

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के कुलपति प्रोफेसर विजेन्द्र सिंह मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा पहुँचे। केन्द्र निरीक्षण के दौरान कुलपति ने मौजूद वैज्ञानिकों से 10 एकड़ में हाईटेक नर्सरी व मदर प्लांट तैयार करने का निर्देश दिया। इसके अलावा वैज्ञानिकों से एक एकड़ में मत्स्य पालन कर जनपद के मत्स्य पालकों के लिए मुनाफा के क्षेत्र में नजीर बनाने की बात कही। कृषि विज्ञान केंद्र पर भ्रमण कर कुलपति ने उपज खेत, मत्स्य तालाब, बकरी पालन, नर्सरी, वर्मी कम्पोस्ट, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन आदि का निरीक्षण किया। कुलपति ने वैज्ञानिकों से किसान हित में कार्य करने व गावों में जानकारियां देने का निर्देश दिया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार कनौजिया ने कुलपति का स्वागत किया। इस दौरान प्रसार वैज्ञानिक डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सोनकर, उद्यान वैज्ञानिक डॉ. राजीव कुमार सिंह, गृह वैज्ञानिक डॉ. ममता आर्या, फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. रूपेश सिंह, फसल उत्पादन डॉ. लालबहादुर गौड़, मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. हरिओम वर्मा, डॉ. अनिल कुमार, प्रक्षेत्र प्रबन्धक अमित सिंह मौजूद रहें।

उप जिलाधिकारी लहरपुर की कार्यशैली से आम जनमानस संतुष्ट : बेहतर कार्य की हो रही सराहना

सीतापुर ब्यूरो अजय सिंह : लहरपुर सीतापुर तहसील लहरपुर में जब से उप जिला अधिकारी पद पर अनुपम मिश्रा तैनात हुए हैं और उनके द्वारा जो भी कदम उठाए जा रहे हैं बहुत ही सराहनीय हैं तहसील प्रशासन की व्यवस्था में भी काफी बदलाव हुआ है चल रही दलाली प्रथा का भी खात्मा हो रहा है शाम 6:00 बजे के बाद कोई भी प्राइवेट कर्मचारी तहसील प्रांगण में दिखाई नहीं देना चाहिए उप जिलाधिकारी लहरपुर के आदेश का अनुपालन देखने को नहीं मिल रहा है थोड़ी सख्ती बरतने की आवश्यकता प्रतीत हो रही है पीड़ितों को न्याय सुलभ तरीके से मिल रहा है।

पिकअप और बाइक की भिड़ंत में दंपती की मौत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : क्षेत्र के नवनिर्मित हाईवे पर बहरा गांव के समीप मंगलवार की सुबह बाइक और पिकअप भिड़ंत में बाइक सवार दंपती की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बडेरी सुभाष सिंह 48 वर्ष अपनी पत्नी नीलम सिंह 45वर्ष के साथ ढकवा की तरफ से घर जा रहे थे की हाईवे पर बहरा के समीप पहुंचे थे की पीछे से आ रही तेज रफ्तार में आम से लदी पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे दोनो की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंचे आसपास के लोगो ने किसी तरह बाहर निकाला और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस बचाव कार्य में जुट गई दंपत्ति को बदलापुर सीएचससी भेजा गया जहा चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पिकअप को पुलिस ने जब्त कर लिया है। थाना अध्यक्ष कमलेश कनौजिया ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। हाईवे पर पलटी पिकअप को हटा दिया गया है आवागमन सुचारू रूप से चालू है।

विश्व साधु परिषद द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण लीला यात्रा नवतनपुरी धाम जामनगर गुजरात पहुंची

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। विश्व साधु परिषद के अध्यक्ष डॉक्टर स्वामी भगवदाचार्य जी महाराज एवम् स्वामी ब्रह्म वेदांताचार्य जी महाराज श्री कृष्ण प्रणामी कंचनपुर मटियारी के संयोजन में लक्ष्मणपुरी से द्वारिका पुरी तक श्री कृष्ण लीला यात्रा 10 जुलाई 2022 तक होगी। यात्रा का शुभारंभ लखनऊ के बादशाहनगर रेलवे स्टेशन से हुआ था यात्रा में तमाम संत महात्मा शामिल हैं।

भाकपा ने जिलाधिकारी को जांच कराने हेतु भेजा ज्ञापन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने मंगलवार को जिलाधिकारी को निष्पक्ष जांच कराने हेतु ज्ञापन भेज कर फर्जी मुकदमें से पार्टी कार्यकर्ता का नाम निकलवाने की मांग की हैद्यज्ञापन के माध्यम से कहा है कि भाकपा जौनपुर के कार्यकारिणी सदस्य विजय कुमार यादव उर्फ उदल का नाम फर्जी व गलत ढंग से राजनैतिक विद्वेष की भावना से थाना सिकरारा में प्रथम सूचना रिपोर्ट में नामित किया गया हैद्यजबकि घटना के दिन वह व्यक्ति व्यक्तिगत काम से बाहर गया थाद्य फिर भी उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करना जो न्यायोचित नहीं हैद्यइसको लेकर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताते हुए आक्रोश व्यक्त किया हैद्य ज्ञापन भेजने वालों में सदस्य मंत्री परिषद शालिक राम पटेल, कोषाध्यक्ष सुभाष चन्द्र पटेल,सहसचिव जय प्रकाश सिंह, जिलामंत्री कल्पनाथ गुप्ता आदि रहेद्य

गोमती नदी में नहाने गए किशोर की डूबने से मौत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : केराकत कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सरौनी पश्चिम पट्टी निवासी हिमांशु 16वर्ष पुत्र रामजियावन मंगलवार को सुबह लगभग 9 बजे अपने मित्र अजित और सौरभ के साथ गाँव के पास से होकर गुजरने वाली गोमती नदी में नहाने गये थे। नहाते समय हिमांशु गहरे पानी मे चला गया और डूबने लगा। उसके साथ नदी में नहा रहे अजित और सौरभ जब तक शोर मचाते तब तक हिमांशु नदी में डूब गया। मौके पर उपस्थित मल्लाहों ने किशोर को बाहर निकाला। आनन फानन में परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केराकत लेकर गए जहाँ चिकित्सकों ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। मृतक ग्राम तरियारी स्थित राजा राम इण्टर कालेज में दसवीं कक्षा में प्रवेश लिया था। मृतक अपने पांच भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। मृतक के परिजनों ने बगैर पुलिस को सूचना दिये गाँव मे ही गोमती तटपर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

कंधी पुल के पास रोड पर बने गड्ढे से आवागमन से दिक्कत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : महराजगंज ब्लॉक के कंधी गाव में सईं नदी पर बने पुल के पास पहुच मार्ग पर बड़ा गड्ढा बन गया है जिससे कभी भी रास्ता बन्द हो सकता है ।यह मार्ग तेजीबाजार से बरईपार को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है ।इस पर रोजाना हजारों वाहनो की आवाजाही रहती है ।कंधी गाव निवाशी परमानंद मिश्रा ने बताया कि यदि बरसात ज्यादा हुए तो यह मार्ग बन्द हो जाएगा जिससे लोगो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा ।मछली शहर से बदलापुर तहसील को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग भी यही है इसी पुल से होकर लोग जाते है । लोगो ने माग किया है कि यदि जल्द गड्ढा नही भरवाया गया तो पुल तक पूछना मुश्किल हो जाएगा और बड़ी दिक्कत का समाना करना पड़ सकता है । लोगो ने शासन प्रशासन से गड्ढे भरवाने की माग किया है।

बहू ने वृद्धा सासु की डंडे से की पिटाई

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बक्शा थाना क्षेत्र के हकारीपुर गांव की वृद्ध महिला की बहू ने डंडे से जमकर पिटाई कर दी। पति के साथ घटना में प्रयुक्त डंडे के साथ थाने पहुँची घायल सासु ने बहु के खिलाफ शिकायत की है। उक्त गांव निवासी 65 वर्षीय रमजा देवी पत्नी लालचन्द मंगलवार को दोपहर थाने पहुँची। वृद्धा ने तहरीर में आरोप लगाई की मेरे पास एक मात्र बेटा सोनू है। सोनू की पत्नी रेनू पति के साथ बीते 18 वर्षों से अपने मायके सड़ेरी रहती है। रेनू दोपहर हकारीपुर सासू के पास पहुँची घर के कमरे का ताला खोलने को लेकर हुए विवाद में रेनू ने डंडे से सासू की जमकर पिटाई कर दी। खून लगे डंडे के साथ वृद्धा पति के साथ थाने पहुँच तहरीर दी।

एक से 31 जुलाई तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान व 16 से 31 जुलाई 2022 तक चलेगा दस्तक अभियान

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) मंडलायुक्त नवदीप रिणवा ने एक जुलाई से शुरू हो रहे संचारी रोग और 16 जुलाई से शुरू हो रहे दस्तक अभियान के सम्बंध में सभी मण्डल स्तरीय एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य जैसे वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित स्वच्छता और फॉगिंग अभियान को सुनिश्चित करने की अपेक्षा की है। मण्डल की आशा, संगिनी, आंगनबाड़ी के साथ–साथ ग्राम प्रधानों को भी प्रशिक्षण देने के लिए कहा है। सभी जिलो में रैपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन कर उनको प्रशिक्षित भी कराये स्वच्छता और फॉगिंग पर दें विशेष जोर मण्डलायुक्त ने कहा कि इस अभियान को प्रभावी बनाना सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकारी प्रयास के साथ–साथ जनसहभागिता भी महत्वपूर्ण है। जिसके तहत लोगो को अभियान से जोडा जाय व जागरूक किया जाये। उन्होंने बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए मलिन बस्तियों में साफ–सफाई, नियमित फॉगिंग, सॉलिड वेस्ट प्रबंधन, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने और क्लोरीन की गोलियां वितरित कराई जाये। 16 जुलाई से शुरू होगा घर–घर दस्तक अभियान मण्डल में 16 जुलाई से घर–घर दस्तक अभियान शुरू होगा जिसके सम्बन्ध में मंडलायुक्त ने बताया कि इसमें मेडिकल टीमें घर–घर जाकर संक्रामक रोगों से ग्रस्त मरीजों की पहचान करेंगी। दस्तक अभियान के तहत टीबी के लक्षण वाले मरीजों को खोजकर उनकी जांच कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास, नगर विकास, महिला बाल विकास, कृषि, बेसिक माध्यमिक शिक्षा की ओर से अंतर्विभागीय समन्वय के साथ स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा का ठोस प्रयास किए जाएंगे। मण्डलायुक्त ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान व दस्तक अभियान के तहत 29 जून 2022 को द्वितीय जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक 09 जुलाई दस्तक अभियान हेतु ब्लाक स्तरीय माइक्रो प्लान की उपलब्धता तथा 11 जुलाई से 13 जुलाई 2022 के मध्य दस्तक अभियान के संचालन हेतु ब्लाक चिकित्सालय पर आशा, ए.एन.एम. तथा आगनवाड़ी कार्यकर्त्रियो का सम्वेदीकरण किया जाना है।

मनरेगा मजदूर कल्याण मिशन अयोध्या इकाई के पदाधिकारियों ने अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) मनरेगा मजदूर कल्याण मिशन अयोध्या इकाई के पदाधिकारियों ने अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर शहर के तिकोनिया पार्क में धरना प्रदर्शन किया । सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम अपनी 8 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन भी दिया । मनरेगा मजदूर कल्याण मिशन के प्रदेश सचिव सुरेश चंद्र वर्मा ने बताया कि हमारी 8 प्रमुख मांगे हैं जिसमें ग्राम सभा ताहिर पुर बरौली में लेखपाल की मिलीभगत से दबंगों द्वारा जमीन कब्जा का निर्माण कराया जा रहा है उसको तत्काल प्रभाव से रोका जाए। लेखपाल द्वारा लगाए गए फर्जी रिपोर्टों को रोका जाए, मनरेगा मजदूरों को नियमित कर उनको 10000 मानदेय दिया गया, अस्पतालों में मनरेगा मजदूरों का इलाज निशुल्क किया जाए, मनरेगा मजदूरों के लिए बीएड बीटीसी आईटीआई एवं एमबीबीएस कराने के लिए अलग से निशुल्क सीट की व्यवस्था की जाए, भ्रष्टाचार में लिप्त श्रम विभाग में 3 वर्ष से अधिक कार्य कर रहे अधिकारियों कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए, पैसेंजर ट्रेनों को पुनः चलाया जाए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अशर्फीलाल वर्मा मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, जिला सचिव राजाराम यादव,दीप नारायण सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

पति ने अपने पत्नी को लाठी डंडे से पीटकर किया घायल : मुकदमा दर्ज

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धानापुर गांव में एक व्यक्ति ने किसी बात से नाराज होकर अपनी ही पत्नी को बुरी तरह से लाठी डंडे से पीट दिया। घायल अवस्था में ही पत्नी थाने पर पहुचकर थानाध्यक्ष से अपनी जान की रक्षा की गुहार लगाई ।बता दें कि गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धानापुर गांव की निवासी रंजना देवी व उसके पति रमेश में मंगलवार को सुबह किसी बात को लेकर कहा सुनी शुरू हो गई। इसी दौरान रंजना देवी का पति रमेश कुछ देर के लिए घर से बाहर निकल गया और लगभग एक घण्टे बाद वापस घर लौटा। रंजना उस वक्त रसोइया में खाना बना रही थी, आरोप है कि रमेश अचानक अपनी पत्नी के ऊपर लाठी डंडे से हमला कर दिया। हमले में रमेश ने अपनी पत्नी रंजना को बुरी तरह पीटा। जिससे रंजना देवी (35) बुरी तरह घायल हो गई। उसका सिर फट गया तथा हाथ मे भी चोट आई। रंजना को पीटने के बाद उसका पति रमेश घर से फरार हो गया। घायल अवस्था में ही रंजना देवी गौराबादशाहपुर थाने पर पहुचकर थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह से अपने पति से अपनी जान बचाने की गुहार लगाई। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर विक्रम लक्ष्मण सिंह ने रंजना देवी के द्वारा मिली तहरीर पर उसके पति रमेश कुमार पर मुकदमा दर्ज कर लिया। तथा रंजना को इलाज के लिए सीएचसी भिजवाया। इस संदर्भ में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि महिला द्वारा दी गई तहरीर पर उसके पति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा 05 शातिर अभियुक्तों को गौ मांस व तमंचा के साथ गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहे अभियान के तहत डा0 संजय कुमार अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व श्री अंकित कुमार, क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष खेतासराय पुलिस टीम के द्वारा दिनांक 27.06.2022 को समय करीब 13:20 बजे मुखबिर खास की सूचना पर दबिश देकर रानी मऊ गांव के पास से पाँच शातिर गोवंशीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण ने पूछताछ में बताया है कि हमारे साथ मो0 आजम पुत्र स्व0 शोएब निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर, अबूजर पुत्र अबूसाद निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर व हलीम पुत्र अब्दुल सलाम निवासी रानीमऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर भी थे जो भाग गए शेष वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित कर दबिश दी जा रही है। अभियुक्तगण उपरोक्त की गिरफ्तारी से जनपद में गोकशी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा । अभि0गणों को गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर ले आकर मु0अ0सं0 109/2022 धारा 3/5/8 उ0प्र0 गोवध निवारण अधि0 व मु0अ0 सं0 110 / 2022 धारा 3/ 25 आर्म्स एक्ट व मु0 अ0 सं0 111/ 2022 धारा 3/ 25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम व पता–1. नदीम पुत्र एजाज अहमद निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर2. हलीम उर्फ औवा पुत्र एजाज अहमद निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर। 3. आजाद पुत्र स्व 0 मुस्लिम निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर4. समीना बानो पत्नी अबूलैश निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर5. नेदा खातून पत्नी नदीम निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर आपराधिक इतिहास–नदीम पुत्र एजाज अहमद निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 1.मु0 अ0 सं0 109 /2022 धारा 3/5/8 उ0 प्र0गोवध नि0 अधि0 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 2. मु0 अ0 सं0 110 /2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना खेतासराय जनपद जौनपुर हलीम उर्फ औवा पुत्र एजाज अहमद निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 1.मु0 अ0 सं0 109 / 2022 धारा 3/5/8 उ0 प्र0गोवध नि0 अधि0 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 2. मु0 अ0 सं0 110 /2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना खेतासराय

जनपद जौनपुर। आजाद पुत्र स्व0मुस्लिम निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 1.मु0 अ0 सं0 109 / 2022 धारा 3/5/8 उ0 प्र0गोवध नि0 अधि0 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर समीना बानो पुत्री एजाज अहमद निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 1..मु0 अ0 सं0 109 / 2022 धारा 3/5/8 उ0 प्र0गोवध नि0 अधि0 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर नेदा खातून पत्नी नदीम निवासी रानी मऊ थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 1..मु0 अ0 सं0 109 / 2022 धारा 3/5/8 उ0 प्र0गोवध नि0 अधि0 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर बरामदगी का विवरण– 1. 62 किलो गौ मांस 2. 2 अदद तमंचा व 2 अदद कारतूस 315 बोर गिरफ्तारीध्बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1. यजुवेंद्र कुमार सिंह थानाध्यक्ष थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 2.उ0नि0 राजेश कुमार मिश्र थाना खेतासराय जनपद जौनपुर। 3.उ0नि0 हरिशंकर यादव थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 4.हे0का0 अनंत कुमार यादव, का0 दिनेश कुमार यादव, का0 अमरनाथ यादव ,का0अवनीश पटेल, का0 अखिलेश मौर्या ,का0 संदीप कुमार, का0 राजकुमार यादव, म0 का0 अंतिमा सिंह ,म0 का0 आशा गुप्ता थाना खेतासराय जनपद जौनपुर।

डीसीएम बाईक सवार को टक्कर मारते हुए पलटी : एक गंभीर रूप से घायल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : रामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचवल के पास में मोटरसाइकिल से भदोही की तरफ ज रहे दम्पत्ति को विपरीत दिशा में आ रही कोटियार की गाड़ी धक्का मारते हुए बगल में पलट गयी। जिससे मोटरसाइकिल सवार धीरज तिवारी व पत्नी को चोटें आई। जिसमे धीरज को गंभीर चोट आई है। तथा पत्नी को हल्की चोटें आई है ।डीसीएम चालक पुलिस हिरासत में है। प्राप्त विवरण के अनुसार धीरज तिवारी पुत्र लालचंद 40 वर्ष ग्राम सेमुही (आशानन्दपुर)थाना रामपुर जौनपुर मंगलवार 2:00 बजे अपनी पत्नी रेनू देवी को बैठाकर मोटरसाइकिल से भदोही जाने जा रहे थे कि पचवल के पास विपरीत दिशा से आ रही कोटियार की डीसीएम धक्का मारते हुए पलट गयी ।जिससे धीरज को गंभीर चोट आई है। तथा पत्नी को हल्की चोटें आई है ।पुलिस चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

ग्रामीणो के मुताबिक नवागत सीओ मिल्कीपुर के सक्रियता से क्षेत्र में सक्रिय चोरी की घटनाओं पर लगेगी अंकुश

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले के इनायतनगर थाने के हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी क्षेत्र में चोरों का गिरोह सक्रिय हो गया है।आये दिन चोरी की घटनाएं हो रही हैं।ग्रामीणो के मुताबिक पुलिस एक भी घटना का पर्दाफाश नहीं कर पा रही है।यही वजह है कि लोग अब पुलिस चौकी पर चोरी की घटनाओं की सूचना देने से भी कतराने लगे हैं। हालांकि लोगों को मिल्कीपुर के नवागत सीओ मिल्कीपुर सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी से उम्मीद जगी है। क्योंकि बगल के बीकापुर सर्किल में उन्होंने अपनी तैनाती के समय खुद सक्रियता दिखाते हुए अपराधियों के कई गिरोहों पर कार्यवाही की थी।बताते चलें कि अभी चंद दिनों पूर्व हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के परसपुर सथरा में पंचायत भवन का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों का सामान पार कर दिया। यही नहीं पाराताजपुर कम्पोजिट विद्यालय का ताला तोड़ कर चोरों ने लाखों का सामान पार कर दिया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया, लेकिन खुलासा नहीं कर पाई। रेवतीगंज में कई चोरी की घटनाएं हो गई। एक का भी खुलासा पुलिस नहीं कर पायी।हरिंग्टनगंज की साप्ताहिक बाजार से दर्जनों मोबाइल चोरी हो चुके हैं। पीड़ित पुलिस चौकी पर तहरीर देकर घटना के खुलासा की उम्मीद करते हैं, लेकिन पुलिस तहरीर को रद्दी की टोकरी में डालकर मामले की इतिश्री कर देती है। अभी पिछले महीने हैरिंग्टनगंज कस्बे के चिखड़ी मोड़ पर प्रमुख व्यवसायी की दुकान से नकद दो लाख 95 हजार रुपए की चोरी हुई थी। जिसमें पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज किया। लेकिन कार्यवाही के नाम पर कुछ नहीं हुआ। इसके अलावा हैरिंग्टनगंज के प्रमुख व्यवसायी देवेंद्र पांडे का 13 हजार रुपए का मोबाइल साप्ताहिक बाजार से चोरी हो गया। पलिया लोहानी के श्री निवास दूबे का तीस हजार रुपए कीमत का मोबाइल इसी साप्ताहिक बाजार से चोरों ने पार कर दिया। इसके अलावा इस साप्ताहिक बाजार से दर्जनों महंगे मोबाइल चोरी हो चुके हैं। पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर दिया लेकिन पुलिस बाजार झांकने तक नहीं गई। इसके अलावा स्कूलों में सरकारी इमारत का ताला तोड़कर लाखों की चोरी हुई है। एक का भी पुलिस पर्दाफाश नहीं कर पाई है। आए दिन छोटे व्यापारी के मोबाइल राह चलते छीन लिए जा रहे हैं, लेकिन अपराधियों पर कार्यवाही नहीं हो रही है। चर्चा है कि हैरिंग्टनगंज पुलिस राजस्व के मामले में कुछ ज्यादा ही लुफ्त लेती है और अपराधों पर ध्यान कम देती है। यही वजह है कि अभी तीन दिन पहले हैरिंग्टनगंज चौकी इंचार्ज को एसएसपी की कड़ी फटकार भी सुननी पड़ी थी। लेकिन इसके बावजूद हैरिंग्टनगंज पुलिस की कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं दिखाई दे रहा है।हालांकि लोग चर्चा कर रहे हैं कि मिल्कीपुर के नवागत सीओ मिल्कीपुर सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी की सक्रियता से अपराधों पर अंकुश लग सकता है।फिलहाल नवागत सीओ मिल्कीपुर सर्किल में अपराधों की समीक्षा कर अपराधियों पर नकेल कसने का कार्य शुरू कर दिया है।सीओ ने सोमवार की शाम हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी के सामने चेकिंग लगवाकर आने जाने वालों को सड़क सुरक्षा के नियम बताते हुए अपराधियों पर कार्रवाई का निर्देश दिए हैं।

रानी दुर्गावती के नाम पर चौराहे पर प्रतिमा स्थापित करने के संबंध में अनुसूचित जनजाति मोर्चा पार्टी ने सांसद लल्लू सिंह को ज्ञापन सौंपा

अयोध्या(संवाददाता) सुरेंद्र कुमार । अयोध्या अनुसूचित जनजाति पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) मोर्चा ने वीरांगना रानी दुर्गावती जी के बलिदान दिवस पर पुष्पअर्पित कर उनकी याद में उनके नाम पर प्रतिमा स्थापित की जाए और उनके नाम पर चौराहे का नामकरण रखा जाए। इसके लिए पार्टी के सभी पदाधिकारी गण ने सामूहिक रूप से अयोध्या सांसद लल्लू सिंह को ज्ञापन दिया और कहा हमारे आराध्य रानी दुर्गावती जी के नाम पर किसी चौराहे के नाम पर और प्रतिमा स्थापित की जाए ताकि हमारे आने वाली पीढ़ी रानी दुर्गावती जी के पराक्रम को जान सके कि किस तरह से मुगल शासकों को कई बार धूल चटाई थी और जिन्होंने मातृभूमि पर अपना जीवन त्याग दिया। सांसद लल्लू सिंह ने आश्वासन दिया कि हम इस कार्य को जल्द से जल्द पूरा करेंगे। अनुसूचित जनजाति मोर्चा पार्टी (बीजेपी) के महामंत्री मंगल

प्रसाद गौड़ महामंत्री भीमगढ़ प्रमोद गौड देवकाली मंडल अध्यक्ष सुनील गौड़ अयोध्या मंडल अध्यक्ष विकास गौड़ करियप्पा मंडल अध्यक्ष सोनाली गौड महिला मोर्चा अध्यक्ष एसटी मोर्चा मातृशक्ति विद्या देवी गौड मातृशक्ति सुनीता देवी ओमप्रकाश आदि लोगों ने मिलकर सांसद लल्लू सिंह को ज्ञापन सौंपा।

उत्कृष्ट पत्रकारिता ही तय करती है समाज की दिशा और दशा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पत्रकार प्रदीप कुमार पाठक को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए बीएचयू के प्रोफेर पीएन सिंह डॉक्टर जगदीश सिंह दीक्षित प्रोफेसर आदित्य नारायण त्रिपाठी सहित देश के कई माने जाने शिक्षाविदों ने कर्म योगी रामसूरत त्रिपाठी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबेडकर नगर में अंगवस्त्रम एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया पत्रकारिता में अपने अथक प्रयास से समाज के निचले पायदान की आवाज बने श्री पाठक के सम्मानित होने से अयोध्या जिले के अधिवक्ताओं एवं पत्रकारों ने खुशी जाहिर करते हुए उनको अपनी लेखनी से समाज की सेवा करने और समाज के कमजोर और बेसहारा लोगों की आवाज जन जन तक पहुंचा कर पत्रकारिता के मानदंडों को स्थापित करने मैं मील का पत्थर साबित होंगे उनके सम्मानित होने पर वरिष्ठ पत्रकार जे पी तिवारी ने कहा कि रिक्वेस्ट पत्रकारिता है स्वस्थ समाज की रीढ़ है और यही उसकी दिशा और दशा तय करती है।वरिष्ठ पत्रकार सुरेश पाठक रामकुमार सिंह नाथ बख्श सिंह रवि प्रकाश पाठक पत्रकार धीरज अवस्थी प्रवीण बाजपेई सतीश पाठक नितिन श्रीवास्तव विशाल तिवारी अजय श्रीवास्तव जयप्रकाश गुप्ता राकेश तिवारी नंदकुमार सूर्य नारायण सिंह त्रिलोकी नाथ दुबे आदि खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष जनार्दन दुबे बब्बन चौबे पंडित कालिका प्रसाद मिश्र वरिष्ठ अधिवक्ता राम नयन सिंह राम अवध सिंह प्रोफेसर कृष्ण मुरारी सिंह देवव्रत पांडे अशोक पांडे बाबूराम दिवेदी राम शेखर सिंह आदि ने इसे अयोध्या जिले का मान बढ़ाने वाला बताते हुए खुशी जाहिर की है भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र जिला अध्यक्ष संजीव सिंह भाजपा के कार्यालय मंत्री बबलू मिश्रा आदि ने खुशी जाहिर की है। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक एवं श्री श्री परशुराम सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित कृपा निधान तिवारी ने श्री पाठक के सम्मानित होने पर गर्व महसूस करते हुए इसे पत्रकार एवं समाज सेवा के मिसाल के रूप में पहचान रखने वाला पत्रकार बताते हुए खुशी जाहिर की है।

सीओ सिटी आफिस से चंद दूरी पर मुकुट काम्लेक्स के सामने युवक की हत्या : आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में सीओ सिटी आफिस से चंद दूरी पर स्थित मुकुट काम्प्लेक्स के सामने पवन बिल्डिंग में एक युवक की ईंट पत्थरों से कूच कूचकर हत्या कर दी गई।जिसके चलते आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई।सीओ सिटी आफिस से चंद कदमों की दूरी पर खून से लथपथ शव मिलने के बाद मौके पर पुलिस अधिकारियों का मजमा लग गया।सूत्र के मुताबिक मृतक की पहचान सौरव सिंह (35) बेहटा थाना खंडासा के रूप में हुई है।इस संबंध में मृतक के भाई ने बताया कि वे दोनों भाई जिला अस्पताल में साईकल स्टैंड का काम देखते हैं।दो दिन पहले भाई के साथ निक्की सिंह मारपीट किये था। आशंका है कि हत्या भी उसी ने की है।एसएसपी शैलेश पांडेय ने बताया कि आरोपी निक्की सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। इधर, सुबह–सुबह वारदात होने के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई है, जिसके बाद शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ने रुदौली सी0एच0सी0 पर आशा बहुओं को किया हाइजीन किड वितरण

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी रुदौली अयोध्या द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली में क्षेत्र की लगभग 100 आशा बहुओं को हाइजीन किट उपलब्ध कराया व उसकी उपयोगिता के बारे में बताया गया बारिश का मौसम आने वाला है ग्रामीण क्षेत्र के 20 जरूरतमंदों को तिरपाल वितरण किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी सी0एम0ओ0 व रेडक्रास सोसायटी के जिला सचिव ने दीप प्रज्वलित कर व वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर कहा रेड क्रॉस सोसाइटी एक ऐसी संस्था है जो पूरे विश्व में आपदा के समय कार्य करती है आज का कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु किया जा रहा है जो कि राज्यपाल महोदया द्वारा निर्देशित भी किया गया है इस मौके पर उपस्थित अयोध्या इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के मंडल प्रभारी डॉ अजय मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि देश विदेश में जब भी आपदा आती है सबसे पहले रेड क्रॉस सोसाइटी ही आगे आती है इस मौके पर रेडक्रास के ट्रांसपोर्ट अधिकारी पवन कुमार शर्मा रेड क्रॉस अधिकारी प्रथम श्रवण कुमार रेड क्रॉस बाढ़ क्षेत्र प्रभारी रामराज व समर्पण उत्थान सोसाइटी के अध्यक्ष रमेश कुमार यादव प्रबंधक राकेश श्रीवास्तव संरक्षक पार्थ सारथी वरिष्ठ सदस्य रामसिंह हंसराज रामराज रमाशंकर भारती अनिल यादव हनुमान सिंह धर्मेंद्र मिश्रा जीत बहादुर लोधी राममिलन विश्वकर्मा इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

शासन की तबादला नीति से अयोध्या जिले में तीन और मंडल में सात साल से जमे डॉक्टरों का होगा तबादला

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)सूत्र के मुताबिक शासन की ओर से तबादला नीति की मंजूरी के बाद अयोध्या से बड़ी संख्या में डॉक्टर भी तबादले के दायरे में आ गए हैं।यहां अलग–अलग अस्पतालों में तैनात 135 डॉक्टरों की लिस्ट शासन को भेज दी गई है।उसमें 64 डॉक्टर तीन साल या उससे भी ज्यादा समय से यहां तैनात हैं।जिसके चलते यहाँ पर तैनात चिकित्सको के माथे पर अभी से चिंता की लकीरे दिखाई दे रही है।दरअसल प्रदेश सरकार ने इसी महीने 15 जून को तबादला नीति की मंजूरी दी है। 30 जून के बीच उन अधिकारियों व कर्मचारियों का तबादला किया जाना है, जो एक जिले में कम से कम तीन साल से जमे हैं या फिर उन्हें उसी मंडल में सेवा करते हुए सात साल का समय हो चुका है। उनका स्थानांतरण किया जाएगा।हालांकि यह तबादला नीति सभी विभागों पर लागू है, लेकिन यहां सबसे ज्यादा असर स्वास्थ्य महकमे पर है। यहां अलग–अलग अस्पतालों में करीब 135 डॉक्टर तैनात हैं। उनमें से 64 डॉक्टर ऐसे हैं जिनका यहां तीन साल या उससे ज्यादा का सेवाकाल पूरा हो चुका है। ऐसे सभी चिकित्सकों की लिस्ट शासन को भेज दी गई है। 30 जून के बाद वहां से तबादला की जद में आने वाले चिकित्सकों की लिस्ट जारी होगी।सूत्र के मुताबिक जिला अस्पताल में कई ऐसे डॉक्टर तैनात हैं, जो वर्षों से यहां तैनात हैं।दो डॉक्टरों को तो 20 साल का समय बीत चुका है।तीसरे एक डॉक्टर करीब दस वर्षों से यहां जमे हुए हैं, जिनका तबादला तो कई बार हुआ, लेकिन जुगाड़ के सहारे यहां बने रहने में सफल रहे। इसके अलावा श्रीराम चिकित्सालय में आधा दर्जन ऐसे चिकित्सक हैं जो तीन वर्षों से ऊपर तैनात हैं। बस यह चिकित्सक तबादलों के दौरान इधर से उधर होते रहे हैं। जिले से बाहर कभी नहीं गए। वहीं सीएचसी–पीएचसी में 65 डॉक्टर तैनात हैं, उनमें से 32 डॉक्टरों को यहां तीन साल या उससे भी ज्यादा का समय हो चुका है।सरकारी अस्पतालों में तैनात चिकित्सकों की एक ही जिले में लम्बी तैनाती के पीछे प्राइवेट प्रैक्टिस मुख्य मानी जाती है। चिकित्सक गैर जनपद इसीलिए नहीं जाना चाहते कि उनकी प्राइवेट प्रैक्टिस खराब हो जायेगी। हालांकि बहुत पहले से ही प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक है, लेकिन अमल में नहीं लाई जा सकी है। यही हाल सीएचसी और पीएचसी के डॉक्टरों का भी है। माना जा रहा है कि इस बार सरकार के तेवर देखते हुए चिकित्सकों को तबादले के बाद गैर जनपद जाना ही पड़ेगा।इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर अजय राजा ने बताया कि शासन के तबादला नीति के तहत यहां तैनात चिकित्सकों की लिस्ट शासन को भेज दी गई है।वहीं से तय होगा कि कितने चिकित्सकों का तबादला किया जाएगा।यहां से भेजी गई लिस्ट का शासन में पहले अध्ययन होगा।बदले में यहां भी नए डॉक्टर आयेगे।

कोटेदारों ने घटतौली और शोषण से मुक्ति दिलाये जाने की संबंधित अधिकारियों से की मांग

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) सरकारी सस्ते गल्ले के दुकानदारों ने डोर स्टेप डिलीवरी के परिवहन ठेकेदार की घटतौली से परेशान होकर मुख्यमंत्री समेत खाद्य रसद मंत्री को पत्र भेजकर परिवहन ठेकेदार द्वारा की जा रही घटतौली और शोषण से मुक्ति दिलाए जाने की मांग की है।मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कोटेदारों ने क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी समेत जिला स्तरीय अधिकारियों से की गई शिकायत पर समस्या का समाधान न किए जाने का भी आरोप लगाया है।मालूम हो कि बीते 2 माह से तहसील के कोटेदारों को डोर स्टेप डिलीवरी सिस्टम से राशन दुकान तक पहुंचाने की व्यवस्था लागू की है।पूर्व में कोटेदार विकासखंड स्तरीय विपणन शाखा के गोदाम से राशन की उठान कर अपनी दुकान पर लाते थे।पूर्व की व्यवस्था में कोटेदार को पल्लेदारी के साथ–साथ गोदान से दुकान तक राशन लेकर आने वाले वाहन का ट्रांसपोर्ट किराया भी मिलता था।उत्तर प्रदेश सत्ता गल्ला विक्रेता परिषद रुदौली के तहसील अध्यक्ष दिलदार खान,शेखर गुप्ता,बद्री प्रसाद,शीला देवी,राम गोपाल,विनोद कुमार गुप्ता,साजिदा खातून समेत एक दर्जन से अधिक कोटेदारों ने मुख्यमंत्री को भेजी गई शिकायत में कहा है कि डोर स्टेप डिलीवरी सिस्टम के अनुसार परिवहन ठेकेदार कोटेदार की दुकान पर राशन का वाहन पल्लेदार लाकर नही उतार रहे।शहर के किसी एक स्थान पर ट्रक खड़ा करके सभी सभी कोटेदारों को राशन ले जाने के लिए वाहन और पल्लेदार के साथ बुलाते हैं।कोटेदारों के अपने खर्चे पर वाहन और पलेदार लेकर जाने पर बिना तौल कराए हर कोटेदार को 2 से तीन कुंतल खाद्यान्न कम दे रहे।कोटेदार के निजी वाहन का भाड़ा,पल्लेदारी मांगने और आवंटन के अनुसार तौल कर राशन की मांग करने पर विवाद करते है।अधिकारियों से कार्यवाही कराने की धमकी देते है।कोटेदारों का कहना है की 70 प्रति क्विंटल खाद्यान्न पर कमीशन सरकार द्वारा दिया जा रहा है जबकि पल्लेदारी और परिवहन ठेकेदार के ट्रक से माल खाद्यान्न उतारकर दुकान तक ले जाने में प्रति कुंतल 80 से 100 ६ तक का खर्चा आ रहा है।शिकायती पत्र में कहा गया है क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी और जिलाधिकारी व जिला स्तरीय अधिकारियों से की गई मौखिक शिकायत पर कोई कार्यवाही नही की गई। संपूर्ण समाधान

दिवस में कोटेदारों ने उपजिलाधिकारी रुदौली से शिकायत की थी।तहसील समाधान दिवस में की गई शिकायत के बाद क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुमित यादव और गौरव चौधरी ने तहसील कोटेदारों संघ के नेताओ के साथ बैठक कर समाधान कराने का आश्वासन दिया।उत्तर प्रदेश सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद के विकासखंड रुदौली के अध्यक्ष रजनीश कुमार यादव,विकासखंड मवई के अध्यक्ष निर्मल जयसवाल,नगर अध्यक्ष सुबोध मिश्रा ने बताया कि शासन के निर्देश पर एक तरफ कोटेदार निशुल्क राशन वितरण कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ अपनी कमाई का पैसा लगाकर दुकान तक राशन अपने निजी वाहन और पल्लेदार के माध्यम से ला रहे हैं।इसके अलावा परिवहन ठेकेदार प्रत्येक कोटेदार को दो से तीन कुंतल राशन कम दे रहे हैं।कोटेदारों को राशन कम मिलने से उपभोक्ताओं को राशन देने में परेशानी हो रही है।कोटेदारों की की समस्या को सुनने वाला कोई नहीं है।किसी कार्ड धारक को कम राशन दिए जाने पर शिकायत हो रही है।कोटेदारों का कहना है कि जिला प्रशासन से लेकर तहसील प्रशासन तक ठेकेदार परिवहन ठेकेदार के दुकान तक राशन न पहुंचाने पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा।इस संबंध में उपजिलाधिकारी स्वप्निल यादव ने कहा कोटेदारों ने खाद्यान्न परिवहन ठेकेदार के द्वारा खाद्यान्न कोटेदारों की दुकान पर न पहुंचाए पहुंचाए जाने और प्रत्येक कोटेदार को दो से तीन तीन कुंतल राशन कम दिए जाने की शिकायत की जांच के निर्देश क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी को दिए गए हैं।अपनी ही सरकार में जब अपने ऊपर आफत आई तो परेशानी के आलम में दुखड़ा किस से रोए।यह मामला रुदौली के कोटेदारों पर फिट बैठता है।खाद्यान्य ठेकेदार की दबंगई से परेशान कोटेदारों में भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष समेत भारतीय जनता पार्टी के नगर पालिका परिषद के एक सभासद के पिता और एक सभासद के भाई भी शामिल है।दबी जबान से में कोटेदारों का कहना है कि अपनी ही सरकार में शोषण उत्पीड़न के शिकार हैं।परिवहन ठेकेदार घटतौली कर परिवहन भाड़ा के साथ पल्लेदारी भी नहीं दे रहै है। अधिकारियों से की जाए शिकायत किए जाने पर जांच व कार्रवाई की धमकी दी जा रही है।

नेहा गौतम महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष के पद पर मनोनीत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। भारतीय किसान मंच के प्रदेश स्तरीय संगठन में मंगलवार को संगठन विस्तार की दृष्टि से नए पदाधिकारी का मनोनयन किया गया। इस क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी रिंकू ने महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पारूल भार्गव के अनुमोदन पर महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा की। भारतीय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी रिंकू ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से सुश्री नेहा गौतम को महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। देवेन्द्र तिवारी ने नेहा गौतम के मनोनयन के बाद कहा कि संगठन में बीते दिनों में कई नए पदाधिकारी जुड़े हैं और निश्चित रूप से इनकी नियुक्ती से संगठन को नई ऊर्जा व मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि सुश्री नेहा गौतम अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करेंगी और समाज में युवाओं, किसानों, महिलाओं एवं दलितों–पीड़ितों की आवाज को बुलंद करेंगी।

सामुहिक विवाह योजना का लाभ दिलाने के लिए मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराया शिकायत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) रूदौली तहसील क्षेत्र में मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना के लाभार्थी को सहायता का लाभ न मिलने से पीड़ित महिला ने सहायता का लाभ दिलाने के लिए तहसील समाधान दिवस शिकायती पत्र दिया उसके बाद एसडीएम रूदौली को शिकायती पत्र देकर सहायता राशि दिलाने की मांग की जिसपर एसडीएम ने विडियो मवई को जांच कर मामले को निस्तारित करने का आदेश दिया लेकिन उस पर भी कोई कार्यवाही नही की गई।तब आहत होकर पीड़ित महिला ने मुख्यमंत्री के पोर्टल पर आनलाइन शिकायत कर शादी अनुदान राशि दिलाने जाने की मांग की है। मामला रुदौली तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत फत्तापूर खुर्द गांव का है।जहां की निवासीनी पीड़ित महिला रीना देवी पत्नी रंगीलाल ने मुख्यमंत्री को आनलाइन शिकायत कर मांग की है मेरी पुत्री माला की शादी 11दिसम्बर 2021 को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मां कामाख्या धाम भवानी मंदिर के प्रांगण में दीपेंद्र सिंह यादव के साथ हुई थी।इस सामूहिक विवाह में मेरी पुत्री को शादी में मिलने वाले सभी उपहार मिले लेकिन जो गरीब कन्याओं को शादी अनुदान में सरकार द्वारा सहायता राशि दी जाती है वह अभी तक नहीं मिली है।पीड़ित महिला ने बताया कि मेरी पुत्री की शादी को लगभग छह माह बीत चुके हैं और आर्थिक सहायता पाने के लिए महिला जब रुदौली ब्लाक के कर्मचारियों के पास जाती है तो महिला को विकास खण्ड मवई में शादी अनुदान की सहायता मिलने की बात कही जाती है।जब महिला विकास खण्ड मवई जाती है तो उससे मवई विकास खण्ड के सम्बंधित कर्मचारियों द्वारा कहा जाता है की रूदौली ब्लाक से जो मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना के अनुदान राशि की जो लिस्ट आई है उसमें आपकी पुत्री का नाम ही नहीं है।इसी तरह से पीड़ित महिला छह माह से अपनी पुत्री की शादी के लिए मिलने वाली मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना की धनराशि के लिए कभी रूदौली ब्लाक जाती है तो उसे मवई ब्लाक भेजा जाता और जब महिला मवई ब्लाक जाती है उसे यह कहकर रुदौली ब्लाक भेजा जाता कि उस लिस्ट में नाम नही है और रूदौली ब्लाक जाकर इसे सही कराकर लाओ इसी तरह पीड़ित महिला कभी रुदौली ब्लाक तो कभी मवई ब्लाक के ऑफिसों का चक्कर काट काट कर परेशान हो गई है।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना 11 दिसम्बर 2021में हुई शादी की सहायता राशि न मिलने से आहत महिला रीना देवी ने मुख्यमंत्री को आनलाइन शिकायत कर सहायता राशि दिलाये जाने की मांग की है।

बेसिक शिक्षा विभाग की चार अध्यापिकाओं ने स्काउट गाइड का हिमालय वुड बैज प्रशिक्षण सफलता पूर्वक कर प्रमाण पत्र किया हासिल

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) बेसिक शिक्षा विभाग की चार अध्यापिकाओं ने स्काउट गाइड का हिमालय वुड बैज प्रशिक्षण सफलता पूर्वक कर प्रमाण पत्र प्राप्त किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में इन गाइड कैप्टन को खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय रामचंद्र मौर्य व नगर शिक्षा अधिकारी शैलजा मिश्रा ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया। इस अवसर पर अधिक जानकारी देते हुए सहायक लीडर ट्रेनर जिला स्काउट मास्टर अनूप मल्होत्रा ने बताया कि विगत 19 से 25 नवंबर 2021 में राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी, म.प्र. में बेसिक शिक्षा विभाग अयोध्या की 4 गाइड कैप्टन ने प्रतिभाग कर हिमालय वुड बेज कोर्स में सफलता अर्जित की। यह प्रथम अवसर है कि बेसिक शिक्षा विभाग अयोध्या से गाइड विभाग को राष्ट्रीय प्रशिक्षण में सफलता मिली है। जिसके लिए राष्ट्रीय उपनिदेशक गाइड , लीडर ट्रेनर एम. एन. माचम्मा ने उन्हें प्रमाण पत्र जारी किया। प्रादेशिक प्रशिक्षण आयुक्त देवकी शोभित द्वारा प्राप्त प्रमाण पत्र जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री पाण्डेय ने सम्मानपूर्वक मसौधा की ब्लॉक गाइड कैप्टन आरती जैन, अमानीगंज की ब्लॉक गाइड कैप्टन गीता गुप्ता, सोहावल की ब्लॉक गाइड कैप्टन की गीता राना तथा मिल्कीपुर की ब्लॉक गाइड कैप्टन वंदना यादव को सौपा। जिला गाइड कैप्टन निधि महिंद्रा ने सभी सफल गाइड कैप्टन का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा नगर शिक्षा अधिकारी ने राष्ट्रीय मुख्यालय से प्राप्त बैज लगाकर सभी का सम्मान किया। बेसिक शिक्षा विभाग अयोध्या को इस उपलब्धि पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पाण्डेय, अवनीश कुमार शुक्ल, डॉ रामसुरेश मिश्र,संरक्षक डॉ वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी सहित सभी स्काउट गाइड पदाधिकारियों तथा जिला समन्वयक सुनील कुमार श्रीवास्तव, गिरजा शंकर त्रिपाठी,शिवाकान्त द्विवेदी,विनय त्रिपाठी,अखिलेश कुमार पाण्डेय, समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों एवं पटल सहायक विकास कमल सिंह ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की।

शिवदासपुर के चारागाह में वन विभाग द्वारा पेड़ लगाने पर ग्रामीणों में नाराजगी : मवेशियों को चरने और बच्चों को खेलने कि नहीं मिलेगी जगह

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) सदर तहसील क्षेत्र के शिवदासपुर गांव में चारागाह गाटा संख्या 394 में वन विभाग द्वारा पेड़ लगाने के लिए गड्ढा खोदा जा रहे हैं जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है ग्रामीणों का मानना है कि चारागाह में पेड़ लगाने से जानवरों को चरने और बच्चों को खेलने के लिए जगह नहीं मिलेगी गांव के पूर्व प्रधान व ग्राम पंचायत सदस्य लाल बहादुर शुक्ला ने उपजिलाधिकारी से लिखित शिकायत कर चारागाह में अवैध अतिक्रमण रोकने की मांग की है। विकास खंड में गाटा संख्या 394 है जो चारागाह में दर्ज है जिसका क्षेत्रफल लगभग 14 बीघा है उस पर ग्राम वासियों द्वारा जानवर चराया जाता है और बच्चे जाकर खेलते भी है उस जमीन पर वनविभाग द्वारा गड्ढा खोदकर पेड़ लगाने की तैयारी की जा रही है जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। उप जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में ग्राम के पूर्व प्रधान लाल बहादुर शुक्ला ने आरोप लगाया है कि चारागाह में पेड़ लगाने के लिए भूमि प्रबंधन समिति द्वारा कोई प्रस्ताव नहीं किया गया है ग्राम पंचायत अधिकारी और लेखपाल द्वारा पूछे जाने पर बताया कि कोई प्रस्ताव नहीं हुआ है ना हमको इस प्रकार की कोई जानकारी है उन्होंने शिकायती पत्र में कहा है की वन विभाग द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण को रोकने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि अगर वन विभाग द्वारा गांव के चारागाह की जमीन पर अतिक्रमण को नहीं रोका गया तो ग्रामीण आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे और जिलाधिकारी तथा उपजिलाधिकारी सदर के कार्यालय पर ग्रामीण घेराव कर आमरण अनशन करेंगे।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मो0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।